डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 29वाँ वर्ष

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

सर्वाधिक चर्चित अखबर

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-29 अंक- 348 www rashtriyahindimail.in भोपाल, रविवार 12 अक्टूबर 2025 । आश्विन, कृष्ण पक्ष-6, 2082 पृष्ठ-8 मूल्य पांच रुपए

आज की अभिव्यक्ति

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

सूर्य उदय 6.15 सुबह | सूर्य अस्त 6. 06 शाम

3
न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार ...

4
त्योहारों का सेल्फ़ी ड्रामा...

5
शहडोल संभाग के तीनों जिले पीएम धन-धान्य योजना...

6
दीपावली को लेकर नगर पालिका ने शुरू की पहल...

प्रधानमंत्री ने किया 30 लाख टन क्षमता वाले अत्याधुनिक दुग्ध चूर्ण संयंत्र का शुभारंभ

किसान सशक्तिकरण की नई राह : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत का कृषि निर्यात करीब-करीब दोगुना हो गया है। अनाज उत्पादन 900 लाख मीट्रिक टन और बढ़ गया। फल और सब्जियों का उत्पादन 640 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा बढ़ गया है। नई दिल्ली स्थित इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट में एक विशेष कृषि कार्यक्रम में किसानों के लिए दो नई योजनाओं 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' को लॉन्च करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं पर सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है। उन्होंने किसानों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही है। यह बेहद जरूरी है कि बदलते समय के साथ खेती और किसान को सरकार का सहयोग मिलता रहे। मोदी ने आगे कहा, 'बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत सुधार किए गए। जिसके परिणामस्वरूप आज दूध उत्पादन में भारत दुनिया में नंबर एक पर है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। भारत में शहद उत्पादन 2014 की तुलना में दोगुना हो गया है। देश में 6 बड़ी फर्टिलाइजर फैक्ट्रियां बनाई गई हैं। 25 करोड़ से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को दिए गए हैं। 100 लाख हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई की सुविधा पहुंची है। पीएम फसल बीमा योजना से करीब 2 लाख करोड़ रुपए क्लेम के रूप में किसानों को मिले हैं। बीते 11 वर्षों में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पाद संघ एफपीओ बने।' उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आने से पहले उनकी अनेक किसानों और मछुआरों से बात हुई। उन्हें कृषि क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं के अनुभव सुनने का अवसर मिला।

कृषि विकास में नया अध्याय लिखेगी 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' : डॉ. यादव

समाचार-विश्लेषण | पृथ्विजय कुमार दास मो. 9971085589

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना देश के कृषि विकास में एक नया अध्याय लिखेगी। वे शनिवार को इंदौर से केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम 'अन्नदाताओं का सम्मान, समृद्ध राष्ट्र का निर्माण' में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया और इसी दौरान इंदौर में 30 लाख टन क्षमता के अत्याधुनिक दुग्ध चूर्ण संयंत्र का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने इंदौर और ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघों को पैक्स से जोड़े जाने को ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्यमंत्री ने इन सौगातों के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।इस मौके पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल, विधायक मधु वर्मा, रमेश मेंदोला, मनोज पटेल, निगम अध्यक्ष सावन सोनकर, सुमित मिश्रा, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन और मध्यप्रदेश दुग्ध महासंघ के एमडी डॉ. संजय गोवानी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के लिए दो बड़ी योजनाएँ - प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन - की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि ये योजनाएँ कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में आमूल-चूल परिवर्तन लाएँगी। अब तक देश में 10 हजार एफपीओ के तहत 50 लाख किसान जुड़ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण कृषि मिशन में एक लाख किसानों का प्रमाणन, 4275 'मैत्रियों' का प्रशिक्षण और 10 हजार से अधिक बहुउद्देशीय पैक्स का कंप्युटरीकरण किया गया है। साथ ही डेयरी, मत्स्य पालन, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण के कई प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण व भूमिपूजन हुआ है। डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और ग्वालियर में पहले से कार्यरत दुग्ध चूर्ण संयंत्रों की क्षमता 10-10 मेट्रिक टन प्रतिदिन थी, जिसमें प्रतिदिन अधिकतम 2 लाख लीटर दूध का ही उपयोग होता था। इसलिए इंदौर में नया संयंत्र आवश्यक था। अब निजी संयंत्रों की जरूरत नहीं पड़ेगी और दुग्ध संघों ने दूध खरीदी मूल्य में 2.50 से 8.50 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ष गेहूं और सोयाबीन का समर्थन मूल्य बढ़ा रही है ताकि किसानों को अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि दुग्ध उत्पादन को 9त्न से बढ़ाकर 20त्न तक लाने का लक्ष्य है, जिससे मध्यप्रदेश देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में शामिल होगा। उन्होंने किसानों से भावांतर योजना में पंजीयन कराने की अपील करते हुए कहा कि 'किसी भी कीमत पर किसानों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सोयाबीन भावांतर योजना की राशि समय पर दी जाएगी।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से देश के 100 कम उपज वाले जिलों में उत्पादन बढ़ाने और दालों की पैदावार में तेजी लाने में मदद मिलेगी। इन योजनाओं के तहत कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की ?42,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएँ शामिल हैं, जो किसानों के जीवन में नई खुशहाली लाएँगी और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और सशक्त करेंगी। वर्चुअल कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री का किसानों जिसमें कैलाश जिराती, घनश्याम पाटीदार, गजानंद और वासुदेव पाटीदार ने आत्मीय स्वागत किया।

लेखक इस पत्र समूह के प्रबंध संपादक हैं।

किसानों को बड़ी सौगात

मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए एक और बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य सरकार अब प्रत्येक किसान को प्रति एकड़ 4 हजार रुपए का अनुदान देगी। यह सहायता राशि किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दी जाएगी। कृषि कल्याण एवं विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने करोंद में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना', 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' और 'नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग' का शुभारंभ देश के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने किसानों को ?42 हजार करोड़ की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया है। कंषाना ने कहा कि प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की है। इसके तहत किसानों को जैविक खेती अपनाने पर प्रति एकड़ ?4,000 का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से किसानों की आमदनी बढ़ेगी और खेती को अधिक टिकाऊ व पर्यावरण-अनुकूल दिशा मिलेगी।

जवाबदेही और पारदर्शिता पर भोपाल निगम का फोकस

एसीएस संजय दुबे और निगम आयुक्त संस्कृति जैन सड़कों पर उतरे, अब फर्जी अटेंडेंस पर भी लगेगी लगाम

|| विशेष रिपोर्ट ||
अनीता चौबे मो. 9893288371

राजधानी भोपाल में प्रशासन अब जवाबदेही और पारदर्शिता के दो मोर्चों पर एक साथ सक्रिय हुआ है कि एक ओर जर्जर सड़कों की मरम्मत और अधूरे हाउसिंग प्रोजेक्ट्स की समीक्षा, तो दूसरी ओर कर्मचारियों की फर्जी उपस्थिति पर नकेल कसने की तैयारी। शनिवार को नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे और नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन खुद सड़कों पर उतरे। उन्होंने पुल बोगदा, सुभाषनगर ब्रिज, एमपी नगर, बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी रोड और त्रिलंगा तक सड़क निरीक्षण किया। कई जगह गड्ढे और टूटी सड़कों के कारण लोगों को हो रही परेशानियां सामने आईं। अफसरों ने मौके पर ही निगम इंजीनियरों को मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारी 12 नंबर स्टॉप पहुंचे, जहां उन्होंने 'हाउसिंग फॉर ऑल' प्रोजेक्ट की स्थिति देखी। उन्होंने अधूरे प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता के साथ पूरा करने और लाभार्थियों को जल्द आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दुबे ने कहा कि 'हर नागरिक को अपने घर का अधिकार मिलना चाहिए, देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी बीच, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भोपाल नगर निगम ने एक और बड़ा कदम उठाया है। 16 अक्टूबर से सेंट्रलाइज्ड फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम लागू किया जा रहा है, जिसके तहत अब कोई कर्मचारी घर बैठे उपस्थिति दर्ज नहीं कर सकेगा। निगम आयुक्त ने बताया कि नई व्यवस्था में उपस्थिति केवल निगम कार्यालय परिसर के 50 मीटर दायरे में रहकर ही दर्ज होगी। 'आधार फेस आरडी' और 'आधार बेस' ऐप के जरिए कर्मचारी अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि अब निगम में न फर्जी उपस्थिति चलेगी, न घर बैठे वेतन। जो उपस्थित रहेगा, वही पहचान पाएगा।' इस विशेष रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि भोपाल प्रदेश का पहला नगर निगम बन गया है जिसने फेस रिकग्निशन आधारित सेंट्रलाइज्ड अटेंडेंस सिस्टम लागू करने की पहल की है। इस व्यवस्था की निगरानी एनआईसी के एमपी अटेंडेंस पोर्टल से की जाएगी। दोनों पहलों जर्जर सड़कों के सुधार और फर्जी अटेंडेंस पर नियंत्रण के जरिए नगर निगम ने साफ संदेश दिया है कि अब भोपाल में जवाबदेही और पारदर्शिता ही प्रशासन की नई पहचान बनेगी...।

लेखक इस पत्र समूह के कार्यकारी संपादक हैं।

लाडली बहनों के खातों में 1541 करोड़ की राशि आज ट्रांसफर करेंगे मुख्यमंत्री

श्योपुर। दिवाली से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश की लाडली बहनों को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। रविवार को वे श्योपुर जिले के मेला ग्राउंड में आयोजित भव्य कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना की 29वीं किस्त के रूप में 1541 करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार बहनों के बैंक खातों में ट्रांसफर करेंगे। मुख्यमंत्री यादव इस अवसर पर श्योपुर जिले में 98.87 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 460.40 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी करेंगे। यह कार्यक्रम प्रदेशभर में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ा आयोजन माना जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को भी लाभ वितरित करेंगे। इनमें एनआरएलएम के तहत संचालित स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 30 करोड़ 12 लाख रुपये की सीसीएल राशि के चेक प्रदान किए जाएंगे। सरकार का कहना है कि यह आयोजन न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि समग्र विकास और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने का प्रयास भी है।

याद आए लोकनायक जयप्रकाश नारायण
जेपी, क्रांति को नैतिक व शाश्वत प्रक्रिया मानते थे : रघु ठाकुर

भोपाल। लोकनायक जयप्रकाश नारायण समाज को मानसिक रूप से बदलने में विश्वास रखते थे। वे क्रांति को नैतिक और शास्वत प्रक्रिया में देखना चाहते थे। यदि वे कुछ समय और जीवित रहते तो निश्चित ही उस सम्पूर्ण क्रान्ति के अगले चरण के लिए तत्पर होते जो डॉ राममनोहर लोहिया की ही सप्तक्रांति का दूसरा नाम था। जेपी ने हम सबसे बातचीत में इसकी रूपरेखा बनाई थी, लेकिन उन्हें समय नहीं मिला।' सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने आज भोपाल के गांधी भवन में जयप्रकाश नारायण की जयंती पर हुए वैचारिक विमर्श 'सप्तक्रांति से सम्पूर्ण क्रान्ति' में यह विचार रखे। समता ट्रस्ट व गांधी भवन ने मिलकर यह आयोजन किया था जिसमें माधवराव सप्रे समाचारपत्र संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर विशेष रूप से उपस्थित थे। 'जयप्रकाश: परिवर्तन की वैचारिकी' पुस्तक का इस कार्यक्रम में विमोचन हुआ व पटना से आये इस पुस्तक के लेखक शिवदयाल ने विस्तार से जेपी की विचार व जीवन यात्रा पर प्रकाश डाला। आयोजन की अध्यक्षता गांधी भवन के सचिव दयाराम नामदेव ने की। कार्यक्रम का संचालन महेश सक्सेना ने व धन्यवाद ज्ञापन समता ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन जैन ने किया। मंच पर शिवदयाल जी की जीवनसंगिनी आभा सिन्हा, श्रीमती नामदेव व डॉ. शिवा श्रीवास्तव की भी उपस्थिति रही। डॉ. शिवा श्रीवास्तव ने शिवदयाल जी का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत गांधी भवन के अंकित मिश्रा ने किया।

अंतिम यात्रा पर एक साथ पति-पत्नी करवा चौथ पर सड़क हादसे में उजड़ा घर

गुना। करवा चौथ के दिन सुबह जेल रोड पर हुए सड़क हादसे में दीपक कुशवाह और उनकी पत्नी प्रियंका कुशवाह की मौत ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। शनिवार सुबह बूढ़े बालाजी क्षेत्र स्थित उनके निवास से पति-पत्नी की अर्थी एक साथ उठी। यह दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह आकाशवाणी केंद्र के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने बाइक सवार दीपक और प्रियंका को टक्कर मार दी। हादसे में प्रियंका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दीपक को भोपाल रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। यह हादसा न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरा सदमा है।

अंबेडकर प्रतिमा विवाद पर सख्ती ग्वालियर में धारा 144 लागू : कलेक्टर

ग्वालियर। जिले में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग को लेकर मचा विवाद अब प्रशासनिक स्तर तक पहुँच गया है। हाईकोर्ट परिसर में प्रतिमा स्थापना को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद वकीलों ने चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो देशभर से अधिवक्ता ग्वालियर पहुँचेंगे और सड़कों पर बड़ा आंदोलन करेंगे। इस सूचना के बाद जिला प्रशासन ने एहतियातन क़दम उठाते हुए जिले में धारा 144 लागू करने का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब बिना अनुमति किसी भी प्रकार की रैली, धरना, जुलूस या सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जा सकेगा। आयोजनों के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। एक अनुविभाग के भीतर के कार्यक्रमों के लिए संबंधित एसडीएम से और एक से अधिक अनुविभागों में प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए अपर जिला दंडाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। कलेक्टर के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) पर किसी भी प्रकार की भड़काऊ, भ्रामक या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट डालने या फॉरवर्ड करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर चौहान ने 'राष्ट्रीय हिंदी मेल' के इस प्रतिनिधि से बातचीत में कहा कि आने वाले दिनों में जिले में कई धार्मिक, सामाजिक, शासकीय और राजनीतिक आयोजन प्रस्तावित हैं। ऐसे में भीड़-भाड़ और संभावित विवादों को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इधर, अंबेडकर प्रतिमा विवाद को लेकर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में राजनीतिक बयानबाज़ी भी तेज़ हो गई है। भाजपा के एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने कहा कि डॉ. अंबेडकर जैसे महापुरुष हमारी धरोहर हैं। संविधान उन्होंने भारत के लिए लिखा, किसी जाति या धर्म के लिए नहीं। लेकिन कुछ तत्व ऐसे हैं जो समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं। ग्वालियर शांति का शहर है, इसे शांत ही रहना चाहिए। प्रशासन फिलहाल हालात पर नज़र रखे हुए है। पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई है ताकि कोई भी असामाजिक तत्व स्थिति को भड़काने में सफल न हो सके।

बड़े-बड़े लोगों की बातें

बच्चों की मौतें लापरवाही का नतीजा ड्रग कंट्रोलर पर एफआईआर हो : पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप से हुई बच्चों की मौतों के मामले में राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में अब तक 25 से अधिक मासूम बच्चों की जान जा चुकी है, जबकि पिछले तीन महीनों में 150 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। पटवारी ने इन मौतों को 'बीमारी नहीं, बल्कि सरकारी हत्या' करार दिया और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे तथा सीबीआई जांच की मांग की। पटवारी ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और दवा कंपनियों के बीच डील कराने का काम सोनू राणा नाम का व्यक्ति करता है, जिसकी भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पीए आदित्य सिंह और सोनू राणा की मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में क्या भूमिका है, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम व लोक स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला इस पूरे प्रकरण में जवाबदेही से नहीं बच सकते। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि 3 सितंबर को पहली मौत हुई थी, लेकिन आठ बच्चों की मौत के बाद भी कोई पोस्टमॉर्टम नहीं कराया गया। विभाग ने न तो कोई उच्चस्तरीय बैठक बुलाई और न ही कोई तत्काल कदम उठाया। पटवारी ने कहा कि 19 सितंबर 2025 को महाराष्ट्र के नागपुर लैब ने राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें यह साफ लिखा था कि मौतें दूषित दवा के कारण हुई हैं, फिर भी मंत्री और विभाग चुप रहे। कांग्रेस नेता ने मांग की कि ड्रग कंट्रोलर पर एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि गैर-इरादतन हत्या की श्रेणी में आता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में अस्पतालों के सामने एक दिन का उपवास रखेगी और धरना देकर सरकार से जवाब मांगेगी...। **खबरची**

मध्यप्रदेश जैसा पर्यटन का वातावरण पूरे देश में नहीं: गजेन्द्र शेखावत
फिल्म निर्माताओं के लिए मध्यप्रदेश सबसे अच्छा डेस्टिनेशन : डॉ. यादव

संडे डायरी | विजय कुमार दास मो. 9617565371

अवसर था मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट कांफ्रेंस का शुभारंभ केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत कर रहे थे पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह भी कह रहे थे कि, पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश से अच्छा कोई ऐसा राज्य नहीं है जहां सर्वाधिक संभावनाएं पर्यटन की दिखाई पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि, मप्र देश में एक ऐसा राज्य है जहां हर कोई आना चाहता है। गजेन्द्र शेखावत ने कहा कि, केन्द्र सरकार की ओर से मप्र में पर्यटन विकास को लेकर जिस प्रकार के सहयोग की जरूरत है उसमें कोई भी कमी नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावा किया कि, मप्र अब सिर्फ़ अपने ऐतिहासिक राज महलों तथा विरासत में मिले किलों, अद्भुत झरनों और सांस्कृतिक विरासत के लिए नहीं, बल्कि फिल्म शूटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग्स के लिए भी देश का नया केंद्र बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट कांफ्रेंस के दौरान यह संकल्प दोहराया कि राज्य को पर्यटन और फिल्म निर्माण के लिए देश का सबसे आकर्षक डेस्टिनेशन बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के उपरांत पत्रकारों को बताया कि, मप्र में रीजनल इंडस्ट्रीज कान्क्लेव से शुरू हुआ पर्यटन का सफर 9 हजार करोड़ से अधिक पूंजी निवेश तक पहुंच गया है और परोक्ष रूप से लगभग 90 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के अवसरों के लिए रास्ता बना दिया है। बता दें कि कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रमुख फिल्म निर्माताओं, निवेशकों और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के दिग्गजों से वन-टू-वन चर्चा की। उद्देश्य था - पर्यटन के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और मध्यप्रदेश को 'फिल्म फ्रेंडली' राज्य के रूप में स्थापित करना। बैठक में फिल्म निर्माता एकता कपूर, अभिनेता गजराज राव और रघुवीर यादव शामिल हुए। वहीं, स्पेनिश फिल्म कमीशन से लारा मोलिना और अन्ना सौरा ने भी सहयोग और निवेश के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की तथा लगभग साढ़े तीन हजार करोड़ के ट्रैवल मार्ट एजेंसियों एवं फिल्म निर्माताओं के साथ एमओयू भी साइन किए। मध्यप्रदेश में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिवशेखर शुक्ला तथा पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक डॉ. टी इलैया राजा की मिली-जुली 18 महीनों की मेहनत का परिणाम साकार होते देखकर मुख्यमंत्री बेहद गद्गद हुए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के हर जिले में अपनी विशिष्ट प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है। सरकार की मंशा है कि इन स्थलों को न केवल पर्यटन के नक्शे पर लाया जाए बल्कि यहां फिल्म निर्माण और डेस्टिनेशन वेडिंग की नई संभावनाएं भी विकसित हों। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के कई बड़े नामों में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के परवीन चंदर कुमार, जेट सर्व एविएशन के राम ओला, एटमॉस्फियर कोर के सौभाग्य मोहापात्रा, पोस्ट कार्ड होटल्स के अनिरुद्ध कांडपाल समेत अन्य निवेशकों ने प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर उत्साह जताया। इस संडे डायरी का लब्बोलुआब यह है कि वेडिंग प्लानिंग और इवेंट मैनेजमेंट के विशेषज्ञों ने भी मध्यप्रदेश को "India's next wedding paradise" *तथा पर्यटन और फिल्म निर्माण से जुड़े सभी प्रस्तावों को 'सिंगल विंडो' सुविधा के तहत तेज़ी से मंजूरी देने का संकल्प दोहराया ऐसा माना जाए तो चौंकिएगा मत। चौकिएगा तब जब मध्यप्रदेश हार्ट ऑफ इंडिया से आगे बढ़कर 'फेश ऑफ इंडिया' बनाने के लिए बकौल गजेन्द्र सिंह शेखावत की सिफारिश पर प्रधानमंत्री स्वयं आवश्यक सभी वित्तीय संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बड़े-बड़े प्रस्ताव मांग कर स्वीकृति प्रदान कर दें और हम पर्यटन में नंबर वन हो जाएं।*

लेखक इस पत्र समूह के प्रधान संपादक हैं।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर समन्वयक बैठक का आयोजन

ग्रामों में चलाए जायेगे जागरूकता कार्यक्रम

सागर। कृषक सहयोग संस्थान जिला सागर द्वारा एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के अंतर्गत बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के साथ बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में किशोर न्याय बोर्ड सदस्य वन्दना तोमर ने बताया के बालकों के अधिकार, किशोर न्याय अधिनियम , बाल विवाह, बाल श्रम ,पॉस्को अधिनियम के लिए ग्रामीण स्कूलो में जागरूकता कार्यकम चलाए जायेगे। साथ ही ग्राम बाल संरक्षण समितियो को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस दौरान बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए भुवन रिभु की पुस्तक व्हेन चिल्ड्रन हैव चिल्ड्रन पर भी चर्चा हुई। किशोर न्याय बोर्ड सदस्य चंद्र प्रकाश शुक्ला ने बताया संपूर्ण जिले में जागरूकता चलाया जाएगा। प्रत्येक बच्चों को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति सदस्य, सुरेंद्र सेन, अनिल कुमार रैकवार, भगवतशरण बनवारिया, कृषक सहयोग संस्थान से जिला समन्वयक नितिन सेन, लक्ष्मी अवस्थी, प्रशांत सेन ,हरनाम सिंह एवं समाजसेवी उपस्थिति रहे।

सागर में गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

रात का तापमान 18 डिग्री पहुंचा, पहाड़ों पर बर्फबारी से हवाओं का रुख बदला

सागर। सागर में गुलाबी ठंड ने दी दस्तक, रात का तापमान 18 डिग्री पहुंचा; पहाड़ों पर बर्फबारी से हवाओं का रुख बदला मध्यप्रदेश में मानसून का समय समाप्त होने के साथ ही, सागर जिले में ठंडी हवाओं ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। दिन में तेज धूप के बावजूद, रात के समय तापमान में गिरावट ने लोगों को ठंड का अहसास करवा दिया है। वर्तमान में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है, जबकि अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखी जा रही है। शनिवार की सुबह से आसमान पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप की किरणों ने वातावरण को गर्म रखा। लेकिन जैसे-जैसे रात का अंधेरा छाने लगा, ठंडक का अनुभव बढ़ने लगा। अब लोग कंबल या हल्के गर्म कपड़े पहनने पर मजबूर हो गए हैं।

ठंडी हवाओं ने सागर और आसपास के क्षेत्रों में सिहरन को बढ़ा दिया है, जिससे लोग सर्दियों की शुरुआत का एहसास कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई बर्फबारी के कारण हवाओं का रुख बदल गया है। ठंडी हवाएं अब उत्तर दिशा से मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रही हैं, जिससे सागर समेत पूरे इलाके में ठंड का असर बढ़ रहा है। यह मौसम परिवर्तन लोगों को सर्दियों की तैयारी करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

'स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' का समय आ गया है: श्याम तिवारी

सागर। भारतीय जनता पार्टी ने एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान को गति देने और इसको छात्रों-युवाओं के माध्यम से चलाने की विस्तृत योजना तैयार की है। 'स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' की जिला टोली के साथ शनिवार को भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने बैठक कर आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा कि अब समय आ गया है जब लोकतंत्र को अनावश्यक खर्च, बार-बार होने वाले चुनाव और राजनैतिक अस्थिरता की बेड़ियों से मुक्त किया जाए। आर्थिक नीतियों में निरन्तरता, व्यापार और रोजगार को गति देने के लिए एक देश-एक चुनाव समय की मांग है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव के लिए लोकमत तैयार करना है ताकि भारत को वैभवशाली और विकसित राष्ट्र बनाने की इस मुहिम में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। बैठक में जिला प्रभारी भूपेन्द्र राय जिला संयोजक शुभम सोनी ने भी विचार रखें।

जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि 27अक्टूबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,सागर में अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मनीष चौबे,शालीन सिंह,अंशुल परिहार,नितिन सोनी, राम रिछारिया, सुप्रियो राय,रोशन रजक,शशांक भार्गव,साकेत चौरसिया,नीरज लोधी एवं प्रत्येक तहसील के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसा: डंपर की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर मौत

करवा चौथ के दूसरे दिन एक साथ उठी पति-पत्नी की अर्थी लोगों की आंखों से छलके आंसू...

सुरखी/बृजेश गौतम

नेशनल हाईवे-44 पर शनिवार सुबह 9:30 एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सुरखी के निर्माणाधीन ब्रिज के समीप डंपर की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक डंपर के नीचे जा फंसी और पति-पत्नी के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। घटना स्थल पर मौजूद लोग हादसे का मंजर देखकर दहशत में आ गए।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सागर विभाग के विभाग कार्यवाहक और शासकीय शिक्षक अशोक दुबे उम्र (45) निवासी नाहरमऊ, अपनी पत्नी राधा दुबे के साथ सागर से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ब्रिज के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही सुरखी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डंपर जब्त कर पंचनामा तैयार कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, करवा चौथ के अवसर पर अशोक दुबे अपनी पत्नी के साथ सागर अपने बच्चों के यहां आए थे जो सागर में रहकर पढ़ाई करते हैं आए थे और शनिवार को गांव लौटते समय यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही नाहरमऊ गांव में मातम छा गया।

पति-पत्नी की एक साथ उठी अर्थी लोगों की आंखों से झकके आंसू

नाहर मऊ गांव में शाम 4:00 बजे जब एक साथ पति-पत्नी की अर्थी उठी तो जितने भी है नजर देखा उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े एक दिन पहले ही परिवार काफी खुश था। पत्नी राधा ने अपने पति अशोक की लंबी उम्र की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था और दूसरे ही दिन दोनों की आज से में इस तरह मौत होने से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।

सैनिक सम्मेलन 15 अक्टूबर को

***सागर।** 15 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सागर में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी जायेगी।*

अब जिले में नहीं होगा वायु प्रदूषण

सुपर सीडर से होगा नरवाई प्रबंधन, जिले में लगातार किसान भाई आ रहे हैं आगे

सागर। अब जिले में वायु प्रदूषण नहीं होगा अत्याधुनिक मशीन सुपर सीडर से नरवाई प्रबंधन किया जाकर वायु प्रदूषण रोकने की प्रबंध किए जाएंगे, कलेक्टर की अपील के बाद जिले में लगातार किसान भाई आगे आ रहे है।कलेक्टर संदीप जी. आर. के निर्देशों का जिले में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसान भाइयों ने भी अपने खेतों में नरवाई न जलाने का संकल्प लिया है। नरवाई प्रबंधन के लिए कृषक हैप्पी सीडर व सुपर सीडर जैसी आधुनिक मशीनों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे खेतों की उपज क्षमता भी बनी रहेगी।

कलेक्टर संदीप जी. आर. के निर्देशों के अनुपालन में, क्षेत्र के कृषक द्वारा सुपर सीडर मशीन क्रय करने पर उन्हें शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। ताकि कृषक बंधु प्रेरित होकर इस मशीन का उपयोग करें पराली की समस्या से निजात पा सके।

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर एसडीएम गगन बिसेन द्वारा ग्राम पटना बाबा, पंचायत मेढकी, विकासखंड केसली निवासी किसान रामसिंह कुर्मी, पिता कन्हैयालाल कुर्मी, को सुपर सीडर मशीन हेतु कुल 2,53,000 की लागत में से 1,20,000 की अनुदान राशि प्रदान की गई, जबकि कृषक अंश 1,33,000 रहा। एसडीएम गगन बिसेन ने बताया कि केसली विकासखंड के अन्य 5 कृषक भी निकट भविष्य में यह मशीन क्रय करेंगे।

जिले में आज शांतिपूर्ण रूप से किया गया खाद-उर्वरक का वितरण

सागर। जिले में शांतिपूर्ण रूप से किया गया खाद-उर्वरक का वितरण एवं छोटे किसानों को प्राथमिकता से खाद उपलब्ध कराएं, निजी खाद दुकानदार डबल लॉक से वितरण करें। उक्त कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने दिए। कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने निर्देश दिए कि खाद उर्वरक के वितरण में किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था नहीं बिगडना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले छोटे किसान भाइयों को खाद उर्वरक प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराएं जिससे उनकी आवश्यकता को पूरा किया जा सकें। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को एनपीके की उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने कहा कि डीएपी के साथ-साथ एनपीके अनिवार्य रूप से वितरित करें। उन्होंने कहा कि सभी खाद वितरण केंद्रों पर प्रातः 6 बजे से खाद वितरण का कार्य किया जाए एवं सभी केंद्रों पर पेयजल, छाया, पुलिस व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था पूर्व से सुनिश्चित की जाए, जिससे कि आसानी से खाद एवं बीज का वितरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि वितरण की एक दिन पूर्व किसान भाइयों को जानकारी प्रदान करें एवं उपलब्धता के अनुसार टोकन वितरण कर खाद का वितरण करें। कलेक्टर श्री संदीप जी. आर. ने कहा कि किसान भाइयों की संगोष्ठी में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन हेतु सभी आवश्यकताओं की जानकारी दें और प्राकृतिक खेती के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

जिले में शांतिपूर्ण रूप से किया जा रहा है खाद उर्वरक का वितरण

सागर। जिले में आज शांतिपूर्ण रूप से किया जा रहा है खाद उर्वरक का वितरण एवं छोटे किसानों को प्राथमिकता से खाद उपलब्ध कराए, निजी खाद दुकानदार डबल लाक से खाद का वितरण करे। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने दिए। कलेक्टर संदीप जी आर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की खाद उर्वरक के वितरण में किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था नहीं बिगाड़ना चाहिए उन्होंने कहा कि सबसे पहले छोटे किसानदार भाइयों को खाद उर्वरक प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराए जिससे उनकी आवश्यकता को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को एनपीके की उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी दें उन्होंने कहा कि डीएपी के साथ-साथ एनपीके अनिवार्य रूप से वितरित करें। उन्होंने कहा कि सभी खाद वितरण केन्द्रों पर प्रात 6 बजे से खाद वितरण का कार्य किया जाए एवं सभी केन्द्रों पर पेयजल छाया की व्यवस्था पुलिस व्यवस्था एवं बेरिकेटिंग की व्यवस्था पूर्व से सुनिश्चित की जावे जिससे कि आसानी से खाद और बाद का वितरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि वितरण की एक दिन पूर्व किसान भाइयों को जानकारी प्रदान करें एवं उपलब्धता के अनुसार टोकन वितरण कर खाद का वितरण करें। कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि किसान भाइयों की संगोष्ठी में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन हेतु सभी आवश्यकताओं को बताएं और प्राकृतिक खेती के लिए उनको प्रोत्साहित करें उन्होंने कहा कि सोसाइटी में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें उन्होंने कहा कि इसी प्रकार खाद उर्वरक बीज की कालाबाजारी करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करें। कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिए की सभी खाद वितरण केन्द्रों पर सभी राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की जावे।

विधायक लारिया ने 1 करोड़ 47 लाख से शासकीय हाई स्कूल मोठी का भवन का किया लोकार्पण

सागर। नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया के अथक प्रयासों से 1करोड़ 47 लाख रू.का हाई स्कूल मोठी का नवीन भवन बनकर तैयार हो गया है। विधायक लारिया ने शुक्रवार को क्षेत्रीय नागरिकों एवं गणमान्यजनों की उपस्थिति में नवनिर्मित शासकीय हाई स्कूल भवन का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत 17 बालकों एवं 23 छात्राओं को शासन की निःशुल्क साईकिल विधायक लारिया ने वितरण की।

बच्चें साइकिल पाकर निहाल हुए। इस अवसर पर विधायक लारिया ने क्षेत्रवासियों को विकास कार्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह नया हाई स्कूल भवन मोठी सहित आसपास गांव के विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई के लिए अहम भूमिका निभाएगा। अब यहां के बच्चों को अपनी आगे की शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा एवं उन्हें गांव में ही सकारात्मक वातावरण में अध्ययन का लाभ मिलेगा। नया हाईस्कूल भवन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक बनेगा। अब नए हाई स्कूल भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को एक स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी।

पत्नि घर के बाहर मजदूरी करती तो पति ने शक के चलते की मारपीट

शहरी थाने में मामला दर्ज

खुरई। शहरी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुभाष वार्ड निवासी भारती पति प्रकाश रैकवार ने अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है कि उसने उसके साथ शक के चलते मारपीट की। रिपोर्ट के अनुसार शनिवार दोपहर को उसका पति प्रकाश आया और पूछा कहां गई थी तो उसने बताया कि घर पर ही काम कर रही थी।

इसके बाद प्रकाश ने कहा कि तुम काम करने बाहर नहीं जाओगी तो उसने पति से कहा कि जब तुम काम नहीं करोगे तो घर चलाने उसे करना पड़ेगा। इस पर नाराज होकर गंदी गंदी गालियां देते हुये सिर पकड़कर दीवाल से मार दिया। जिससे उसे सिर में चोट आई और मारपीट करते हुये जमीन पर पटक दिया जिससे उसे कई जगहों पर चोटें आई हैं। शहरी थाना पुलिस ने पत्नि भारती की रिपोर्ट पर पति प्रकाश रैकवार पर मामला दर्ज कर कार्यवाई प्रारंभ कर दी।

अवैध शराब का कारोबार करने वालों का जरवास में आंतक

बुजुर्ग पर तीन युवकों ने लोहे के पाईप,राड और पत्थरों से किया हमला,सिर में तीन फेक्चर हुये पागल

खुरई। पिछले कुछ समय से नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिसमें अवैध शराब के कारोबारियों द्वारा आंतक फैलाया जा रहा है लोगों से मारपीट कर दहशत फैलाई जा रही है। पिछले दिनों एक युवक को तीन युवकों ने अपहरण कर घोरट नाके पर डंडों बेल्टों और हाथ में पहनने वाले कड़े से बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। ऐसा ही एक और मामला जरवास गांव का सामने आया है इसमें भी अवैध शराब का कारोबार करने वालों द्वारा एक 68 वर्षीय बुजुर्ग महेन्द्र पिता रमाशंकर मुढ़ोतिया पर लोहे के पाईप,राड से हमला करने के बाद पत्थरों से मारकर गंभीर घायल कर दिया था। जानकारी देते हुये घायल के छोटे भाई महेश मुढ़ोतिया ने बताया कि घटना 24 सितंबर की रात लगभग 10 बजे की बात है कि उनकी भाभी की चिल्लाने और रोने की आवाज आई तो वे घर के बाहर निकले देखा कि उनके बड़े भाई महेन्द्र को शिवकुमार सेन,शिवराज चढ़ार और अज्जू मुढ़ोतिया लोहे के पाईप,लोहे की राड से मारपीट कर रहे हैं। इसके अलावा सीने पर बैठकर बड़े पत्थर से सिर पर हमला किया। उन्होंने परिजनों की मदद से महेन्द्र को खुरई अस्पताल में भर्ती कराया इसके बाद सागर रेफर कर दिया गया। कुछ दिनों बाद सागर से भोपाल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के बाद डॉक्टरों ने इलाज करने से मना कर दिया और घर भेज दिया। दरअसल घातक हमले से उनके सिर की हड्डियों में तीन बड़े फ्रेक्चर हैं। जिससे उनका इलाज संभव नहीं है।

घायल पागल हुआ पलंग से बांध कर रखना पड़ता है

दरअसल सागर और भोपाल के डॉक्टरों ने इलाज करने से इसलिये मना कर दिया क्योंकि सिर के 3 बड़े फ्रेक्चरों के कारण महेन्द्र मुढ़ोतिया पागल हो गये हैं। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों हाथों व पैरों को पंलग से बांध कर रखना पड़ता था। अन्यथ उठकर चलने के प्रयास में गिर कर और भी घायल होने का खतरा बना रहता है। ऐसी स्थिति हो गई कि बिना सहारे के कुछ भी नहीं कर सकते। साथ ही अब स्थिति ऐसी है कि अकेला छोड़ नहीं सकते। हर समय कम से कम दो लोगों का पकड़कर रखना जरुरी हो गया है। लगातार कुछ भी बड़बड़ाते रहते हैं। हमला इतना खतरनाक था कि घाव अभी तक ठीक नहीं हुये हैं।

अस्पताल में इलाज करने से किया मना

घायल महेन्द्र द्वारा अस्पताल में लगातार उपद्रव करना और चिल्लाने से बाकी मरीजों को बहुत परेशानी हो रही थी। जिसके कारण सभी अस्पताल वालों ने इलाज करने से मना कर दिया। बताया कि चोटों के कारण यह अब पूरी तरह से पागल हो चुके हैं इसलिये डॉक्टरों ने अब घर भेज दिया है। अब परिजन घायल महेन्द्र को शुक्रवार की रात घर ले आये हैं जैसा कि घायल के छोटे भाई ने बताया। इस संबंध में जानकारी लेने पर शहरी थाना पुलिस ने बताया कि उस समय जानकारी मिली थी। लेकिन परिजन इलाज के लिये सागर ले गये थे। यदि ऐसी स्थिति है तो पीड़ित के परिजन आकर रिपोर्ट लिखायें कार्यवाई की जायेगी। घायल के छोटे भाई ने बताया कि तीनों आरोपी गांव में अवैध शराब का कारोबार करते हैं और इनका बहुत आतंक है।

न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार : मुख्यमंत्री

देश में प्राचीन काल से रही है न्याय देने की परम्परा, समानता, पारदर्शिता, विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही है न्यायपालिका की मूल आत्मा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक, बुनियादी, मानवीय, नागरिक और संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार ही सबके जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से न्यायपूर्ण रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को मजबूत करते हैं, बल्कि शासन व्यवस्था को जवाबदेह भी बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का नया दौर न्याय का पथ गौरवान्वित करने वाला है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा बीते कुछ सालों में दिए गए कई निर्णयों ने देश को नई दिशा दी है। इससे न्याय व्यवस्था पर हमारी आस्था को और बल मिला है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि युग बदले, दौर बदले, परंतु न्याय की आत्मा हमेशा वही रहेगी। समानता, पारदर्शिता, विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही न्यायपालिका की मूल आत्मा रही है और आगे भी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा है हमारे देश में न्याय की प्राचीन परंपरा रही है। न्याय देने की स्थापित व्यवस्था को और बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि अब तो न्याय की देवी की आंखों की पट्टी भी खोल दी गई है। इसका आशय यह है कि अब न्याय की देवी खुली आंखों से न्याय कर सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित इवोल्विंग होराइजन्स नेविगेटिंग कॉम्प्लेक्सिटी एंड इनोवेशन इन कमर्शियल एंड आर्बिट्रेशन लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड विषय पर आयोजित विधि विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस)

के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्चतम न्यायलय के न्यायमूर्तिगणों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर इस संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय न्याय परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। हम सम्राट वीर विक्रमादित्य को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने अपने बाल्यकाल से ही तत्समय भारत देश में न्याय और सुशासन की व्यवस्था का सूत्रपात किया था। हम उन्हीं के बताए मार्ग पर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में कानून के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों को अधिक अधिकार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ दायित्वों का पालन भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली जितनी सहज और सरल होगी, नागरिक को उतनी ही जल्दी न्याय मिलेगा। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को सुगमता से न्याय मिले और उसकी आस्था न्यायिक व्यवस्था पर सदैव बनी रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष ज़ोर देकर कहा कि आज के तेज़ी से विकसित होते तकनीकी युग में, न्यायपालिका को निरंतर मूल्यांकन और अनुकूलन उपायों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय प्रदान करना नवाचार में बाधा डाले बिना निष्पक्ष और पारदर्शी बना रहे। इससे भारत की अर्थव्यवस्था का विकास हो सके और साथ ही व्यापार करने में आसानी भी

मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए इंदौर पधारे उच्चतम न्यायालय के सभी सम्मानीय न्यायमूर्तियों और देश-विदेश से आए विधि विशेषज्ञों, न्यायविदों तथा विद्यार्थियों का आभार जताते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छतम शहर में न्याय प्रणाली के मंथन पर ऐसी विद्वत सभाओं का आयोजन हमें नई उम्मीद देता है, साथ ही और बेहतर करने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न्याय प्रणाली को और अधिक सुलभ, सरल और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। राज्य में प्रादेशिक और जिला स्तर के न्यायालयों की सुदृढ़ स्थापना के साथ-साथ मध्यप्रदेश में ग्राम न्यायालयों की व्यवस्था भी की गई है।

माइंडाथॉन महोत्सव में योग, प्राणायाम और जुम्बा से दिया मानसिक स्वास्थ्य का संदेश

भोपाल। लायंस क्लब भोपाल सर्वोदय और तक्षशिला बाल विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आज स्वर्ण जयंती पार्क में माइंडाथॉन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर तक्षशिला संस्थान के विशेषज्ञ शिक्षकों ने जुम्बा योग, आसन और '?' की ध्वनि के साथ कुंभक, रेचक तथा अनुलोम-विलोम प्राणायाम कराया। कार्यक्रम में लायंस क्लब भोपाल सर्वोदय द्वारा डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्ट, योग प्रशिक्षकों और मनोचिकित्सकों को अंगवस्त्र, श्रीफल और औषधीय पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। कुल 15 सदस्यों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पीडीजी लायन डॉ. आर. के. चौरसिया, क्षेत्र अध्यक्ष लायन मनीष जैन, लायन रश्मि जैन, लायन सुयश कुलश्रेष्ठ और लायन डॉ. अंशु सिंह रहे। इनका स्वागत लायंस क्लब सर्वोदय के अध्यक्ष लायन सुनील श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष लायन प्रमिला सोरते, डीसी लायन मीनाक्षी श्रीवास्तव, लायन यशवंत सिंह और समृद्धि की अध्यक्ष लायन डॉ. वीना कुर्रे ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

त्योहारों को लेकर भोपाल पुलिस सतर्क, एसीपी बिट्टू शर्मा ने किया जहांगीराबाद बाजार का भ्रमण

भोपाल। आगामी त्योहारों के मद्देनज़र राजधानी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। शहर के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लेने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में एसीपी जहांगीराबाद बिट्टू शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस बल के साथ जहांगीराबाद बाजार और आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया। त्योहारों के दौरान चौक बाजारों में बढ़ती भीड़ और आमजन की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की यह सक्रियता सराहनीय रही। एसीपी शर्मा ने भ्रमण के दौरान व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और राहगीरों से बातचीत की तथा उन्हें सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों में भय पैदा

करना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के साथ संवाद और विश्वास का रिश्ता मज़बूत करना भी है। भ्रमण के दौरान नगर सुरक्षा समिति के सदस्य और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। एसीपी ने पुलिस बल को निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त और निगरानी बनाए रखें ताकि किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को पहले ही रोका जा सके। पुलिस के इस निरीक्षण से जहांगीराबाद और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे त्योहारों के दौरान नागरिक निश्चिंत होकर अपनी तैयारियों में जुट सकें।

चलती बाइक पर लूट की वारदात

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज इलाके में शुक्रवार देर रात एक महिला से चलती बाइक पर पर्स लूटने की वारदात सामने आई है। महिला अपने पति के साथ बाजार से घर लौट रही थी, तभी पीछे से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने पर्स झपट लिया और तेज रफ्तार में भाग निकले। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पुष्पा पांडे लाला लाजपत राय सोसाइटी की रहने वाली हैं। उनके पर्स में लगभग दो हजार रुपए नकद और कुछ जरूरी दस्तावेज रखे थे।

न्याय-सत्याग्रहः लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं का अनशन

भोपाल। राजधानी के अंबेडकर मैदान (जयंती मैदान) में शनिवार को देश के मौजूदा हालात और ज्वलंत मुद्दों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, लेखकों, युवाओं और समाजसेवियों ने एकदिवसीय 'राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह' का आयोजन किया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शांतिपूर्ण अनशन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन सौंपा गया। आयोजकों ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह अहिंसक है और इसका उद्देश्य न्याय, संविधान व लोकतंत्र की मूल भावना की रक्षा करना है। उन्होंने हाल में सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लोकतांत्रिक असहिष्णुता का प्रतीक बताया और दोनों मामलों पर पारदर्शी व संवैधानिक कार्रवाई की मांग की।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने चलाया गया 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान'

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना से अधिक करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश में निरंतर गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत गांव गांव में घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण, उनकी स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी दी गई। पशुपालकों को उपलब्ध संसाधनों में कम खर्च पर अधिक दूध उत्पादन करने और ज्यादा लाभ कमाने के बारे में जागरूक किया गया। प्रमुख सचिव, पशुपालन एवं डेयरी उमाकांत उमराव द्वारा पशुपालन संचालनालय में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के प्रथम चरण के पूर्ण होने पर अभियान के अंतर्गत

की गई कार्यवाही एवं मैदानी स्तर पर किए गए विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने प्रथम चरण में प्राप्त विभिन्न प्रकार के सुझावों पर क्रियान्वयन और द्वितीय चरण की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए. बैठक में बताया गया कि अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा 10 या अधिक गौवंश-भैंस वंश पालने वाले पशुपालकों से संवाद करने के लक्ष्य अनुसार समस्त जिलों में लगभग 370000 पशुपालकों से उनके घर पहुंचकर भेंट की और उन्हें पशुपालन के संबंध में जानकारी दी, साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया। अभियान के दौरान मुख्य फोकस पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने पर रहा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त, जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर पशुपालकों से भेंट की गई।

जनजातीय गौरव दिवस पर रिहा होंगे 29 आदिवासी कैदी

आदिवासी कैदियों को रिहा करने वाला मप्र होगा पहला राज्य

भोपाल। जनजातीय नायक बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस पर मध्य प्रदेश में एक नया इतिहास रचने जा रहा है। 15 नवंबर को, जनजातीय नायक बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर, राज्य सरकार द्वारा 29 आदिवासी कैदियों को रिहा किया जायेगा। ऐसा करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य होगा। इस मौके पर ऐसे आदिवासी कैदियों को रिहा किया जाएगा, जिनका जेल में आचरण अच्छा रहा है। इसके साथ ही, सरकार आदिवासियों पर दर्ज छोटे-मोटे कानूनी मामलों को भी वापस लेने जा रही है। खास तौर पर, राजस्व और वन भूमि से संबंधित अतिक्रमण हटाने संबधी मामलों को वापस लिया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 10 सालों में आदिवासियों के खिलाफ वन अपराध से जुड़े 35,807 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें से 28,645 मामलों का निपटारा हो चुका है, जबकि 4,396 मामले अभी भी कोर्ट में

लंबित हैं। इससे पहले, सरकार ने 2009 तक के 87,549 पुराने मामलों को वापस ले चुकी है। गौरतलब है कि इससे पहले साल में 4 अवसरों 26 जनवरी, 14 अप्रैल, 15 अगस्त और 2 अक्टूबर को बंदियों की रिहाई की जाती है। और साल 2025 के दौरान अब तक गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गांधी जयंती (2 अक्टूबर) के अवसर पर कुल 523 बंदियों को रिहा किया जा चुका है। लेकिन अब प्रदेश के मुखिया सीएम मोहन यादव की सरकार की पहल पर 15 नवंबर राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस को भी शामिल किया गया है। यह देश में पहली बार होगा जब जनजातीय गौरव दिवस पर भी बंदियों की रिहाई होगी। इस वर्ष इस अवसर पर 29 बंदियों को रिहा करने का प्रस्ताव है, जिनमें 8 अनुसूचित जनजाति वर्ग के बंदी शामिल हैं। इसके साथ ही रिहा होने वाले बंदियो के लिये जेल विभाग सामाजिक पुनर्वास और आश्रित परिवारों की सहायता के लिये समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय कर नीतिगत व्यवस्था तैयार करने की योजना भी बनाई जायेगी।

राजधानी में आज महाक्रांति आंदोलन

भोपाल। नौकरियों में लागू ठेका प्रथा, कंपनी राज और अस्थायी व्यवस्था के विरोध में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार को महाक्रांति आंदोलन होगा। इसमें प्रदेशभर से कर्मचारी जुटेंगे। प्रदेश के बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप आपरेटर, अंशकालीन भृत्य, स्वच्छाग्राही, राजस्व सर्वेयर, आउटसोर्स एवं अस्थायी कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों के संयुक्त बैनर आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश का आंदोलन होगा।

महापौर ने किया गुणवत्ता सुधार रैली का शुभारंभ

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित की गई थी रैली

भोपाल। महापौर मालती राय ने गुणवत्ता साईकिल रैली का शुभारंभ किया। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा गुणवत्ता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और जीवन के हर क्षेत्र में उच्च मानकों को अपनाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने हेतु रैली आयोजित की गई।

महापौर श्रीमती मालती राय ने शनिवार को बोट क्लब पर आयोजित गुणवत्ता साईकिल रैली का शुभारंभ किया। महापौर श्रीमती राय ने इस अवसर पर कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के उपयोग के साथ ही हमें अपनी जीवनशैली और अपने दृष्टिकोण को भी उच्च मानकों के अनुरूप बनाना चाहिए ताकि हमारी समाज में अलग पहचान बनें। महापौर श्रीमती राय ने विभिन्न प्रकार के उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के उपयोग के प्रति जनजागरूकता उत्पन्न करने हेतु भारतीय

मानक ब्यूरो द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। इस मौके पर महापौर ने केनवास पर अपने विचार भी अंकित किये। भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों ने महापौर श्रीमती राय को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया। रैली में बड़ी संख्या में प्रतिभागी व भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

संघ का श्रेणी मिलन संयुक्त पथ संचलन आज

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भोपाल विभाग शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में श्रेणी मिलनों का संयुक्त पथ संचलन रविवार 12 अक्टूबर को सायं 4 बजे तात्या टोपे नगर स्टेडियम भोपाल में होगा। इस अवसर पर श्रेणी मिलन के तहत इसमें पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, पूर्व पुलिस अधिकारी, चिकित्सक, अधिवक्ता, युवा उद्यमी, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधी, विभिन्न मातृभाषा के प्रतिनिधी, शिक्षक, कृषक शामिल होंगे। इसमें भोपाल विभाग के विभिन्न नगरों के श्रेणी मिलन में आने वाले स्वयंसेवक एक साथ भाग लेंगे।

ऑपरेशन थिएटर में टार्च की रोशनी में करना पड़ा काम

जेपी अस्पताल प्रबंधन जनरेटर में डीजल डलवाना भूला

भोपाल। राजधानी के जेपी अस्पताल में शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब अचानक बिजली गुल होने से अंधेरा छा गया। इस कारण ऑपरेशन थिएटर में टार्च की रोशनी में काम करना पड़ा। दरअसल, बिजली गुल होने के बाद जनरेटर स्टार्ट नहीं हो पाया। इसकी वजह यह रही की अस्पताल प्रबंधन जनरेटर में डीजल डलवाना ही भूल गया। जानकारी के अनुसार, जेपी अस्पताल में एनेस्थीसिया देकर मरीज को ओटी टेबल पर लिटाया और बत्ती गुल हो गई। यहां 8 मरीजों की डायलिसिस भी चल रही थी। अस्पताल में पूरी तरह अंधेरा छा गया, ऐसे में मरीजों का इलाज टॉर्च की रोशनी में किया गया। आखिर ऑपरेशन टाले गए। अब जांच के लिए समिति बनाई है। ओटी टेबल पर मौजूद मरीज को एनेस्थीसिया सुबह 9:55 बजे दिया गया था। इसके बाद मरीज के बेहोश होते ही सर्जरी की तैयारी पूरी कर ली गई थी। सर्जन चीरा लगाकर ऑपरेशन शुरू करने ही जा रहे थे कि अचानक ओटी में अंधेरा छा गया। केवल यूपीएस पर संचालित होने वाले मॉनिटर की बत्ती जल रही थी। जब दो से तीन मिनट तक लाइट नहीं आई तो टॉर्च ऑन की गई। डॉक्टरों ने बताया कि यह राहत की बात थी कि मरीज के शरीर पर चीरा नहीं लगा था। यदि ऑपरेशन शुरू हो जाता, तो यह स्थिति मरीज के लिए जानलेवा हो सकती थी। हमने तुरंत एनेस्थीसिया के असर को कम करने की प्रक्रिया शुरू की और ऑपरेशन को स्थगित कर दिया।

8 मरीजों की डायलिसिस अटकी

सुबह करीब 8 बजे पहली शिफ्ट के मरीजों की डायलिसिस शुरू की गई। यह प्रक्रिया सुबह 11 बजे तक चलती है। तीन घंटे में पूरी होने वाली डायलिसिस को दो घंटे ही हुए थे कि बिजली गुल हो गई। मशीनों में मौजूद खुद के बैकअप से 25 मिनट तक ही डायलिसिस जारी रह सकती थी। लेकिन प्रक्रिया पूरी होने में अभी एक से सवा घंटे लगने थे। ऐसे में डायलिसिस यूनिट के इंचार्ज अरमान खान ने मरीजों की डायलिसिस बंद करने का फैसला लिया। जब बिजली गई थी, तब कई मरीजों का खून मशीन से प्रोसेस हो रहा था। स्थिति बिगडने या मरीज को खून की जरूरत पडने पर ब्लड बैंक को बैकअप के रूप में तैयार रहने के निर्देश दिए गए। सभी मरीजों के ब्लड ग्रुप की जानकारी देकर दो-दो यूनिट ब्लड रिजर्व रखने को कहा गया। अस्पताल कर्मचारियों के अनुसार, जेपी अस्पताल में बिजली कनेक्शन सिंगल लाइन का है। सुबह 10 बजे लाइन में फॉल्ट हुआ, जिससे अस्पताल की बिजली चली गई। जब जनरेटर चलाया गया, तो वह भी नहीं चला। इसकी वजह यह थी कि जनरेटर में डीजल ही नहीं था। जब यह बात सामने आई, तो सीएमएचओ और जेपी अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा ने अस्पताल मैनेजर प्रेमचंद गुप्ता को फोन कर इस लापरवाही पर नाराजगी जताई।

स्वामी, विजय कुमार दास के लिए मुद्रक, प्रकाशक पृथ्विजय कुमार दास द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड के लिए 10-10 सेक्टर बी इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं हिन्दी मेल भवन, नेशनल प्रेस एरिया, सप्रे मार्ग, लिंक रोड, नं. 3, प्लाट नं. 3, पत्रकार कॉलोनी के पास भोपाल-462003 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक : पृथ्विजय कुमार दास। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * समूह संपादक : विजय कुमार दास (RNI No. 64654/96), संयुक्त संपादक : अरूण व्यास, मो. नं. 9179174353, कार्यकारी संपादक : अनीता चौबे मो. नं. 9893288371, स्थानीय संपादक : नौशाद कुरैशी मो. नं. 9424002407, समाचार संपादक : देव चौबे मो. नं.8269453234 डीटीपी हैड : दीपेन्द्र कौशल, मोबाईल नं. 9907218737 दूरभाष: 0755-4948144, 2994470, E-mail: hindimailbpl@gmail.com, lifeindiamedia@gmail.com,(रिलीज आर्डर एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें: hindimailadvt@gmail.com पर संपर्क करें।)

सुविचार

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है। - वेदव्यास

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 29 वाँ वर्ष

संपादकीय

अर्थहीनता के युग में ‘अर्थ’ की तलाश - क्रास्ज़नाहोरकाई और नोबेल 2025

अनीता चौबे

साहित्य के नोबेल पुरस्कार की घोषणा अक्सर यह बताती है कि दुनिया इस समय क्या सोच रही है, या शायद – उसे क्या सोचना चाहिए। 2025 का नोबेल जब हंगरी के लेखक लास्ज़्लो क्रास्ज़नाहोरकाई के नाम हुआ, तो यह केवल एक लेखक का सम्मान नहीं था; यह उस चेतना का अभिनंदन था जो विनाश और निरर्थकता के बीच भी कला में अर्थ की तलाश करती है। आज, जब दुनिया दो बड़े युद्धों के बीच फँसी है, सीमाएँ और सभ्यताएँ अपने-अपने मिथक गढ़ रही हैं, ऐसे समय में ÷सर्वनाश का स्वामी÷ कहे जाने वाले लेखक का सम्मान – हमारे युग की विडंबना भी है और उम्मीद भी। क्रास्ज़नाहोरकाई की रचनाएँ बेतुकी, उदास और असहज करने वाली हैं, लेकिन इन्हीं असहज सवालों में मनुष्य की गहराई छिपी है।उनका साहित्य पाठक को किसी सुखद स्वप्न में नहीं, बल्कि सत्य के भयावह गलियारे में उतारता है – जहाँ नायक नहीं हैं, बस प्रतीक्षा है। ‘सैटेनटैंगो’ में वे साम्यवाद के पतन के दौर में निराश्रित लोगों को दिखाते हैं, जो किसी चमत्कार की प्रतीक्षा में हैं – और वह चमत्कार घटित नहीं होता। यह असल में पूरी मानवता का रूपक है – जो निरंतर परिवर्तन, प्रगति और ईश्वर में चमत्कार खोजती है, पर अंत में अपने ही सन्नाटे से टकरा जाती है। क्रास्ज़नाहोरकाई के वाक्य नदी की तरह बहते हैं – अनवरत, गहरे और काले। उनमें विराम नहीं, पर अर्थ हैं। वे हमें बताते हैं कि मनुष्य के अनुभवों का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी अपूर्णता में है। यही वजह है कि उनके पात्र, चाहे ‘द मेलानचॉली ऑफ रेजिस्टेंस’ के हों या ‘सेइओबो देयर बिलो’ के, हमें हमारी ही निस्तब्धता से सामना कराते हैं। जब वे कहते हैं कि ‘सर्वनाश अब है’ – तो यह भविष्यवाणी नहीं, वर्तमान का विश्लेषण है। हमारे समय में अर्थ का क्षरण केवल राजनीति, युद्ध या सत्ता तक सीमित नहीं है, यह मानव अनुभवों की भाषा में भी है। और शायद इसी वजह से नोबेल समिति ने यह पुरस्कार उन्हें देकर एक संदेश दिया है – कि साहित्य अब भी सबसे गंभीर प्रतिरोध है; कला वह जगह है जहाँ निराशा के बावजूद अर्थ बचा हुआ है। क्रास्ज़नाहोरकाई की जीत उन सभी लेखकों और पाठकों की भी जीत है, जो यह मानते हैं कि साहित्य केवल कहानियाँ नहीं कहता – वह सभ्यता का आईना बनाता है। एक ऐसा आईना जिसमें हम अपनी थकान, अपने भ्रम और अपनी उम्मीदों को पहचान सकें। इस दौर में जब दुनिया मनोरंजन और कंटेंट के बीच अर्थहीनता के भँवर में फँसी है, क्रास्ज़नाहोरकाई हमें याद दिलाते हैं – कि साहित्य का काम सांत्वना देना नहीं, जगाना है। और यही तो सबसे बड़ा चमत्कार है – कि सर्वनाश के बीच भी कोई लेखक अब भी अर्थ लिख रहा है।

त्योहारों का सेल्फी ड्रामा

डॉ. प्रियंका सौरभ

> दीपावली अब दीपों की नहीं, सजावट की पोस्टों की रात है। घरों की सफ़ाई से ज़्यादा लोग कैमरे का कोण सुधारने में व्यस्त रहते हैं। माता लक्ष्मी की प्रतिमा की पूजा से पहले बूमरैंग बनता है, और पटाखों से पहले कैप्शन तय होता है – दीवाली की वाइब्स परिवार का प्यार। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति का त्योहार सोशल मीडिया पर दिखना चाहिए, वरना वह अधूरा है। यह डिजिटल प्रतिस्पर्धा अब भक्ति से ज़्यादा ‘लाइक’ का खेल बन चुकी है। करवा चौथ जैसे व्रतों का जो भाव था – प्रेम, समर्पण और आशीर्वाद – वह अब फोटो खिंचवाने और छूट वाले ऑफ़र में बँट गया है। सेल्फ़ी विद सासू माँ, उपवास वाला चेहरा और चाँद के साथ तस्वीर जैसी प्रवृत्तियाँ अब त्योहार की नई पहचान हैं।

त्योहार हमारे समाज की आत्मा होते हैं – वह समय जब इंसान ईश्वर, प्रकृति और अपने संबंधों के प्रति आभार व्यक्त करता है। लेकिन अब हर त्योहार के साथ एक नया किरदार जुड़ गया है – मोबाइल कैमरा। जैसे ही दीपक जलता है, आरती की थाली घूमती है या राखी बंधती है, पहला सवाल यही होता है – फोटो ली क्या?। पहले पूजा पूरी होती थी, फिर प्रसाद बाँटा जाता था; अब पहले स्टोरी लगती है, फिर पूजा होती है। यह वही भारत है जहाँ कभी ‘मन का उत्सव’ मनाया जाता था, आज वही ‘मीडिया का उत्सव’ बन गया है।

दीपावली अब दीपों की नहीं, सजावट की पोस्टों की रात है। घरों की सफ़ाई से ज़्यादा लोग कैमरे का कोण सुधारने में व्यस्त रहते हैं। माता लक्ष्मी की प्रतिमा की पूजा से पहले बूमरैंग बनता है, और पटाखों से पहले कैप्शन तय होता है – दीवाली की वाइब्स परिवार का प्यार। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति का त्योहार सोशल मीडिया पर दिखना चाहिए, वरना वह अधूरा है। यह डिजिटल प्रतिस्पर्धा अब भक्ति से ज़्यादा ‘लाइक’ का खेल बन चुकी है।

करवा चौथ जैसे व्रतों का जो भाव था – प्रेम, समर्पण और आशीर्वाद – वह अब फोटो खिंचवाने और छूट वाले ऑफ़र में बँट गया है। सेल्फ़ी विद सासू माँ, उपवास वाला चेहरा और चाँद के साथ तस्वीर जैसी प्रवृत्तियाँ अब त्योहार की नई पहचान हैं। पहले चाँद देखने का रोमांच था, अब ‘क्लिक करने’ का जुनून है। एक जमाना था जब महिलाएँ साड़ी पहनती थीं पूजा के भाव से; आज वही साड़ी ब्रांड को टैग करने का साधन बन गई है। त्योहार अब प्रेम का नहीं, प्रदर्शन का पर्व बन गया है। होली भी अब रंगों का नहीं, रंगीन दिखावे का खेल है। पहले जो चेहरे रंगों में डूबे होते थे, अब वे फ़िल्टर में धुल चुके हैं। लोग अब एक-दूसरे को रंग लगाने से ज़्यादा डरते हैं कि कपड़े खराब हो जाएँगे, फोटो में अच्छा नहीं लगूँगा। सेल्फ़ी विद गुलाल में रंग तो हैं, पर अपनापन नहीं। यह होली अब मन की नहीं, मेकअप की होली बन गई है।

ईद, क्रिसमस, नवरात्र – हर धर्म का उत्सव अब एक ही रंग में रंग गया है – डिजिटल दिखावे का रंग। मस्जिद या गिरजाघर के सामने मुस्कुराती तस्वीरें, थाली में सजे पकवानों के फोटो, और शीर्षक – प्यार और शांति बाँट रहे हैं। पर क्या सचमुच प्यार और शांति फैल रही है, या बस दिखावा? त्योहार अब इंसान को जोड़ने की बजाय, तुलना और प्रतिस्पर्धा का कारण बनते जा रहे हैं। उसकी लाइटिंग ज़्यादा सुंदर, उसका मंडप बड़ा, उसके पास महँगी सजावट– यह सब उस आत्मीयता को निगल गया है जो कभी परिवारों की पहचान थी।

यह सेल्फ़ी नाटक इतना गहरा हो चुका है कि अब भक्ति का भी अभिनय होता है। मंदिर में जाते ही लोग पहले फोन निकालते हैं, फिर हाथ जोड़ते हैं। आरती लाइव होती है, पर मन ऑफ़लाइन। दान सोशल मीडिया पर दिखाया जाता है, ताकि दूसरों को पता चले कि ‘हम भी नेक हैं’। भक्ति निजी नहीं रही, सार्वजनिक प्रदर्शन बन गई है। आस्था अब आत्मा से नहीं, प्रसारण से चलती है।

मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें तो यह डिजिटल आस्था एक गहरी बेचैनी का परिणाम है। इंसान अब अपने हर अनुभव का प्रमाण सोशल मीडिया से चाहता है।

उसे लगता है कि अगर कोई चीज़ कैमरे में नहीं आई तो वह हुई ही नहीं। यही कारण है कि अब त्योहारों में मुस्कान असली नहीं, अभ्यास की हुई होती है। बच्चे तक कैमरे के सामने हैप्पी दिवाली बोलना सीख चुके हैं। रिश्तों की गर्माहट अब कैमरे की ठंड में जम गई है। त्योहारों का असली अर्थ था – रुकना, साँस लेना, जुड़ना।

अब अर्थ बदल गया है – सजना, पोस्ट करना, भूल जाना।

लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि त्योहार का मूल कारण क्या था – बस इतना याद रहता है कि किस दिन क्या पोस्ट करना है। यह ‘सेल्फ़ी संस्कृति’ धीरे-धीरे उस आध्यात्मिक गहराई को खा रही है जो भारतीय समाज की पहचान थी।

अब त्यौहार आत्मा का नहीं, ‘छवि’ का दर्पण बन गए हैं।

बाज़ार ने भी इस प्रवृत्ति को भुनाने में देर नहीं लगाई।

हर त्यौहार से पहले ‘सेल्फ़ी पृष्ठभूमि’, ‘फोटो मंच’, ‘डिजिटल सजावट’ और ‘त्योहार संग्रह’ की बाढ़ आ जाती है।

पूजा की थाली से ज़्यादा महत्त्व अब पैकेजिंग का हो गया है। त्योहार अब आध्यात्मिक नहीं, ब्रांडेड अवसर बन चुके हैं। दीपावली अब ऑनलाइन खरीदारी पर्व है, नवरात्र गरबा नाइट्स प्रायोजित कार्यक्रम है, और होली कलर ब्लास्ट आयोजन बन चुकी है। जहाँ पहले त्योहार आत्मा को शुद्ध करते थे, अब वह जेब को खाली कर देते हैं।

सोशल मीडिया पर दिखावे की इस होड़ ने समाज में एक अजीब-सी भावनात्मक दूरी पैदा कर दी है। लोगों को लगता है कि उन्होंने दूसरों की फोटो देखकर उनसे जुड़ाव बना लिया – जबकि असल में वह जुड़ाव एक भ्रम है। त्योहार जो कभी सबको साथ लाते थे, अब लोगों को अकेला कर रहे हैं। हर कोई अपने फोन में बंद है, दूसरे की मौजूदगी सिर्फ स्क्रीन पर है। परिवार की फोटो तो पूरी है, लेकिन परिवार बिखरा हुआ है।

सेहत

मेथी है सेहत का खजाना..

मेथी के स्वास्थ्य लाभों में पाचन में सुधार, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करना, और वजन घटाने में मदद करना शामिल है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने, जोड़ों के दर्द को कम करने और मासिक धर्म की ऐंठन से राहत दिलाने में भी सहायक है। इसके अतिरिक्त, यह पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में दूध उत्पादन में सुधार कर सकता है।

पाचन और वजन

पाचन को बढ़ावा– मेथी में मौजूद फाइबर कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

वजन घटाना– इसमें मौजूद फाइबर भूख को नियंत्रित करके वजन घटाने में सहायता कर सकता है।

आंत स्वास्थ्य– यह स्वस्थ मल त्याग को बढ़ावा देता है और पेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल

ब्लड शुगर को नियंत्रित करना– मेथी का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जो मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद है।

कोलेस्ट्रॉल कम करना– यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है।

हृदय और हड्डियां

हृदय स्वास्थ्य– मेथी में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं।

हड्डियों की मजबूती– इसमें आयरन, फॉस्फोरस और कैल्शियम की अच्छी मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।

जोड़ों का दर्द –मेथी के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

मासिक धर्म में राहत- यह मासिक धर्म के दौरान होने वाले ऐंठन और दर्द को कम करने में सहायक है।

पुरुषों के यौन स्वास्थ्य में सुधार– मेथी टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाकर और यौन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए– यह स्तनपान कराने वाली महिलाओं में दूध के उत्पादन को बढ़ा सकती है।

बालों के लिए- मेथी के बीज बालों को मजबूत बनाने और झड़ने की समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं।

क्यों डोनाल्ड ट्रंप रह गए नोबेल शांति पुरस्कार से दूर ?

महेन्द्र तिवारी

डोनाल्ड ट्रंप का नाम 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के संभावित दावेदारों में शामिल जरूर था, मगर अंततः यह पुरस्कार वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारियाकोरिनामचाडो के नाम हो गया। भले ही इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार ट्रंप से छिन गया, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा अब भी कायम है। उनके लिए यह महज एक पुरस्कार नहीं, बल्कि अपने प्रतिद्वंद्वी ओबामा को पछाड़ने और इतिहास में अपनी जगह पक्की करने की लड़ाई है। शायद आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा फिर लौटे–क्योंकि ट्रंप का राजनीतिक सफर और उनका नोबेल सपना, दोनों ही कभी सुर्खियों से बाहर नहीं रहते।सवाल यह उठता है कि इतने प्रभावशाली नेता होने के बावजूद ट्रंप के हाथ यह सम्मान क्यों नहीं लगा?

नोबेल शांति पुरस्कार की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी है। इसे अल्फ्रेड नोबेल की 1895 की वसीयत के आधार पर स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार हर साल उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानव जाति के लिए सबसे बड़ा फायदा पहुंचाया हो। नामांकन का अधिकार किसी भी आम व्यक्ति को नहीं होता–सिर्फ अधिकृत व्यक्ति, जैसे राष्ट्राध्यक्ष, सांसद, प्रोफेसर, न्यायाधीश या पूर्व नोबेल विजेता ही किसी को नामांकित कर सकते हैं। नामांकन की अवधि हर साल सितंबर से जनवरी के अंत तक रहती है, अक्टूबर में परिणाम घोषित होते हैं और पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि, 10 दिसंबर को प्रदान किया जाता है।

विदेश मामलों के विशेषज्ञ डॉ. राजन कुमार के मुताबिक, ट्रंप की नाकामी के पीछे चार बड़ी वजहें थीं। पहली वजह उनके शांति प्रयासों का समय और टिकाऊपन थी। नोबेल समिति उस शांति को ज्यादा महत्व देती है, जो दीर्घकालिक हो और समय की कसौटी पर खरी उतरे। ट्रंप के हालिया प्रयास, जैसे गाजा में युद्धविराम और यूक्रेन सम्मेलन, सितंबर 2025 में हुए–जबकि नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जनवरी थी। यानी उनके कदम देर से उठे। समिति तब तक तय कर चुकी थी कि उस वर्ष का नोबेल किस दिशा में जाएगा। उनके समझौते अगर पहले हुए होते और उनके स्थायित्व का प्रमाण मिलता, तो शायद स्थिति कुछ अलग होती।

दूसरी वजह थी ट्रंप की वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाओं से दूरी। नोबेल शांति पुरस्कार का मूल उद्देश्य राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देना है, जो सहयोग और सामूहिक प्रयास से ही संभव है। लेकिन ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल में कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से टकराव लिया। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोक दी, पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाला और NATO देशों पर रक्षा खर्च को लेकर दबाव बनाया। इन कदमों से अमेरिका की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा और यह धारणा बनी कि ट्रंप शांति से अधिक सत्ता और प्रभुत्व की राजनीति में रुचि रखते हैं। तीसरी वजह थी उनका जलवायु परिवर्तन के प्रति रुख। आज के दौर में नोबेल समिति जलवायु परिवर्तन को वैश्विक शांति का दीर्घकालिक खतरा मानती है। बढ़ते तापमान, सूखे और विस्थापन जैसी समस्याएं अंततः संघर्षों को जन्म देती हैं। ऐसे में किसी भी नेता का जलवायु के प्रति दृष्टिकोण उसकी शांति की योग्यता को प्रभावित करता है। ट्रंप ने खुलेआम कहा था कि क्लाइमेटचेंज एक धोखा है और उन्होंने अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकाल लिया था। यह कदम नोबेल समिति की दृष्टि में उन्हें ‘अयोग्य’ साबित करने के लिए काफी था।

चौथी और शायद सबसे निर्णायक वजह थी नोबेल समिति की स्वतंत्रता और उस पर ट्रंप का दबाव बनाने का प्रयास। नोबेल समिति सदैव राजनीतिक दबाव से दूर रहना चाहती है। लेकिन ट्रंप ने कथित रूप से इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और पाकिस्तान सरकार से अपने नामांकन के लिए सिफारिश करवाई, और यहाँ तक कि नॉर्वे के वित्त मंत्री को फोन कर खुद के लिए नोबेल की सिफारिश की बात कही। इन सबने समिति पर गलत असर डाला। उनके इस व्यवहार ने यह संदेश दिया कि ट्रंप शांति पुरस्कार को एक राजनीतिक ट्रॉफी के रूप में देख रहे हैं, न कि एक नैतिक मान्यता के रूप में।

इस वर्ष नोबेल के लिए कई अन्य नाम भी चर्चा में थे। उनमें एलनमस्क का नाम था, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार माने जाते हैं। जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटाथनबर्ग, जो पर्यावरणीय संतुलन को शांति से जोड़ती हैं, भी मजबूत उम्मीदवार थीं। रूस में मानवाधिकारों की रक्षा करने वाली यूलियानवलनया, सूडान में मानवीय सहायता देने वाले इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली संस्था ‘कमेटी टूप्रोटेक्टजर्नलिस्ट्स’, दक्षिण एशिया में मध्यस्थता करने वाले अनवर इब्राहिम और गरीबों व पर्यावरण के लिए काम करने वाले पोपफ्रांसिस–इन सबका योगदान गहरा और स्थायी था। इन सबके बीच ट्रंप के प्रयास अस्थायी और आत्मकेंद्रित लगे।

लेकिन सवाल यह भी है कि ट्रंप को इस पुरस्कार को पाने की इतनी बेताबी क्यों थी? डॉ. राजन कुमार बताते हैं कि इसकी दो प्रमुख वजहें थीं। पहली, वे खुद को उन अमेरिकी राष्ट्रपतियों की कतार में देखना चाहते थे जिन्हें पहले यह सम्मान मिल चुका है–वुडरोविल्सन, थियोडोररूजवेल्ट, जिमीकार्टर और बराकओबामा। खासतौर पर ओबामा का नोबेल ट्रंप को हमेशा खटकता रहा है। वे इसे अयोग्य पुरस्कार कहते रहे हैं और किसी भी कीमत पर उनसे आगे निकलना चाहते हैं। दूसरी वजह थी एक वैश्विक पीसमेकर की छवि बनाना। अपनी आक्रामक और विवादास्पद नीतियों के बावजूद ट्रंप दुनिया के सामने खुद को शांति का दूत साबित करना चाहते हैं। उनके लिए नोबेल पुरस्कार इस छवि का प्रतीक है। हालांकि 2025 में उन्हें यह सम्मान नहीं मिला, मगर विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रंप की कोशिश यहीं खत्म नहीं होगी।

शिक्षा,भाषा और संस्कृति देश की समृद्धि का पैमाना

संजीव ठाकुर

शिक्षा सदैव समाज, संस्कृति और सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील और प्रगतिशील रही है। यह न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला भी है। शिक्षा, ज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति को देश-विदेश की सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। यह असीमित भंडार है, जिसमें आकाशीय ऊँचाइयाँ भी शामिल हैं। न केवल इसकी गहराई को नापा जा सकता है, न ही इसकी ऊँचाई को देखा जा सकता है। शिक्षा और ज्ञान की यह विशालता मानव जीवन में अनंत संभावनाओं के द्वार खोलती है। पूर्वी सभ्यता, विशेषकर भारतीय परंपरा, जहाँ अध्यात्म, वेद, पुराण और योग पर आधारित है, वहाँ पश्चिमी सभ्यता विज्ञान, तकनीकी नवाचार और अनछुई रहस्यमय खोजों पर आधारित है। इन दोनों सभ्यताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में मानव जीवन को बदलने वाले अनमोल योगदान दिए हैं। उदाहरण स्वरूप, पश्चिमी विज्ञान ने मानव को चंद्रमा पर पहुँचने का अवसर दिया और आधुनिक तकनीक जैसे हवाई जहाज, इंजन, रेडियो और डिजिटल तकनीक से जीवन को सरल और उन्नत बनाया। वहीं, भारतीय ज्ञान और दर्शन ने योग, आयुर्वेद, ध्यान और जीवन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में शांति, संतुलन और आत्मसाक्षात्कार की दिशा प्रदान की। इस प्रकार शिक्षा, भाषा और ज्ञान ने पूर्व और पश्चिम के बीच समन्वय स्थापित किया। पश्चिम ने भारतीय दर्शन, आयुर्वेद और योग को अपनाकर अपनी जीवनशैली में संतुलन पाया, और भारत ने पश्चिम के विज्ञान और तकनीकी ज्ञान को अपनाकर विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1398 लिथुआनिया के ग्रैंड ड्यूक वियातुतास द ग्रेट और ट्युटोनिक नाइट्स के ग्रैंड मास्टर कोनराड वॉन जुंगिंगन ने समोगाइटिया को नाइट्स को सौंपने का तीसरा प्रयास, सालिनास की संधि पर हस्ताक्षर किए।

1492 यह मानते हुए कि वह ईस्ट इंडीज तक पहुंच गया था, क्रिस्टोफर कोलंबस ने कैरिबियन के एक द्वीप पर लैंडफॉल बनाया, जिससे अमेरिका के यूरोपीय उपनिवेशीकरण की वजह से घटना की एक श्रृंखला शुरू हो गई।

1711 कैरेल छठी हैब्सबर्ग रोमन कैथोलिक सम्राट का ताज पहनाया गया।

1730 ईसाई VI ने डेनमार्क के राजा के रूप में फ्रेडरिक IV को सफल किया।

1776 ब्रिटिश ब्रिगेड ने ब्रॉन्क्स में थोरग नेकस रोड की सुरक्षा करना शुरू कर दिया।

1792 न्यू वर्ल्ड में आने के 300 साल बाद न्यू यॉर्क सिटी में संयुक्त राज्य में पहला कोलंबस दिवस समारोह आयोजित किया गया।

1792 अमेरिका की खोज करने वाले क्रिस्टोफर कोलम्बस को मेरीलैंड के बाल्टीमोर में पहला स्मारक समर्पित किया गया।

1798 फ्रांस के कब्जे वाले बोएरेनक्रिज के खिलाफ फ्लेमिश विद्रोह आरम्भ हुआ।

1799 जब वह एक गर्म हवा के गुब्बारे से 900 मीटर (3,000 फीट) नीचे उतरा, तो जेने जेनेविव लेब्रासे अप्पेरूट जंप (कलाकृति चित्रित) बनाने वाली पहली महिला बनी।

1799 जैनने गेनेविएवे लबरोस्से 900 मीटर की ऊंचाई से एक पैराशूट के साथ एक गुब्बारा से कूदने वाली पहली महिला बनी।

1815 नेपल्स के पूर्व राजा जोआचिम मूरत को मृत्यु की सजा सुनाई।

1822 ब्राजील के पेड्रो-I को ब्राजील का संवैधानिक सम्राट घोषित किया गया।

1847 एक जर्मन आविष्कारक वर्नर वॉन सीमेंस ने सीमेंस एंड हैल्स्के की स्थापना की, जो बाद में सीमेंस एजी बन गया, जो यूरोप की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग कंपनी थी।

राशिफल

मेष राशि– आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। जमीन जायदाद से जुड़ा कोई मामला दूर होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा, नहीं तो साथी से उनकी खटपट चलती रहेगी। आपकी प्रमोशन आदि मिलने की संभावना है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। मित्रों के साथ आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। जीवनसाथी को कामों में कुछ मुश्किल आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपने खर्चों को काबू में करना होगा, तभी आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन राशि– आज का दिन आपके लिए बहुत ही सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप बिजनेस में फायदे को लेकर ज्यादा धन जुटा पाएंगे। घूमने फिरने के दौरान आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको कोई फैसला बहुत ही समझदारी से लेना होगा। आज आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा।

कर्क राशि– आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी, क्योंकि वह आपको कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। आपको वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम रखना होगा।

सिंह राशि– आज आप अपने रुके हुए कामों को करने में तेजी लाएंगे, जिस कारण आप काफी व्यस्त रहेंगे। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपकी किसी से खटपट होने की संभावना है।

कन्या राशि– आज आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा। भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। संतान से आपकी किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती हैं। आप उनके मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको पिछले चली आ रही समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलेगी, जिसमें आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागृति हो सकती है। आपको घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। पार्टनरशिप में आप थोड़ा सोच समझकर करें और ऑफिस में आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपके किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचना होगा।

मकर राशि: आज आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं पर पूरी निगरानी बनाकर रखे। कार्यक्षेत्र में आपको मनपसंद काम मिल सकता है और आप अपने किसी मित्र की मदद के लिए भी आगे आएंगे। किसी सरकारी मामले को लेकर आप लापरवाही ना दिखाएं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

कुंभ राशि:आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी मेहनत अधिक होगी और आपके कुछ मित्रों भी साथ देंगे, जिससे आपको एक नई पहचान मिलेगी। आप किसी दूसरे से वाद-विवाद में ना पड़ें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए किसी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए अच्छा रहेगा। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। परिवार में भी आज माहौल खुशनुमा रहेगा, क्योंकि सभी सदस्यों में एकजुटता बनी रहेगी। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा।

ज्ञानवाणी

समझदार सैनिक....

एक जनरल साहब बार्डर पर तैनात सैनिक टुकड़ी का मुआयना कर रहे थे कि बार्डर के पार से रायफल की एक गोली चली और सनसनाती हुई उन के सिर के ऊपर से गुजरी । बौखला कर वो फौरन खाई में कूद गये और वहां मौजूद टुकड़ी के इंचार्ज से बोले - इस निशानेबाज का पता लगाओ ये कहां छुपा हुआ है?

सर - इंचार्ज अदब से बोला- ‘हमें मालूम है वो कहां छुपा हुआ है ?

तो फिर तुम उस को शूट कर के खत्म क्यों नहीं करते ?

सर, ये निशानेबाज पिछले दो महीने से उस सामने टीले के पीछे से हम पर गोलियां चला रहा है, लेकिन आज तक उसका एक भी निशाना ठीक नहीं बैठा है। अगर हमने इसे मार डाला तो इस की जगह जो नया निशानेबाज तैनात किया जायेगा, हो सकता है उसका निशाना एकदम सच्चा हो ।

शहडोल संभाग के तीनों जिले पीएम धन-धान्य योजना में शामिल

प्रधानमंत्री ने पीएम धन-धान्य योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का वर्चुली किया शुभारंभ

35 हजार करोड़ लागत वाली परियोजनाओं से देश के 100 आकांक्षी जिलों को मिलेगा लाभ

शहडोल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 35 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा लागत की कृषि योजनाओं का भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली से वर्चुली शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री जी ने देश के 100 आकांक्षी जिले जहां कृषि उत्पादन देश के औसत उत्पादन के कम है में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के माध्यम से कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पीए धन-धान्य योजना तथा दलहन उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दहलन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय किसान कल्याण विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मत्स्यपालन एवं डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह, तथा केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय शहडोल में राजेन्द्र टॉकीज, अशोका पैलेस में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाइव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह, विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, जनपद उपाध्यक्ष सोहागपुर शक्ति सिंह, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, जिला कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डॉ. मृगेन्द्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन एवं जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं जिले भर से आए किसानों ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जैतपुर विधानसभा क्षेत्र जयसिंह मरावी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर समृद्ध एवं शक्तिशाली भारत के निर्माण के संकल्प को पूरा करने में किसानो की अहम भूमिका है। खेती किसानी विकास यात्रा का प्रमुख हिस्सा है। इक्कीसवीं सदी के भारत के तेजी से विकास के लिए कृषि व्यवस्थाओं में सुधार की जो आवश्यकताएं जरूरी हैं। उनकी पूर्ति केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा नई-नई योजनाएं बनाकर की जा रही है। आपने कहा कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए खेती के साथ किसानों को पशुपालन प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पालतू पशुओं को आवारा नहीं छोड़ें इससे खेती का नुकसान तो होता ही है दुर्घटनाएं भी होती हैं। पशुधन का उपयोग दुग्ध उत्पादन तथा गोबर एवं मूत्र से जैविक उर्वरक के रूप में करके खेती की लागत को कम कर सकते हैं।

जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पीएम धन-धान्य योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन में शहडोल संभाग के तीनों जिलों को शामिल करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है। आपने कहा कि किसानों का जीवन खेती पर ही निर्भर होता है। किसानों के जीवन में खुशी लाने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाना आज की आवश्यकता है। उत्पादन बढ़ाने के लिए मिट्टी परीक्षण से लेकर उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, कृषि यंत्रों के प्रयोग के साथ ही पशुपालन, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियां अपनानी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी कम करके कृषि यंत्रों के मूल्य कम कर दिए गए हैं। किसान भाई अवसर का लाभ उठाएं। इस अवसर पर उन्होंने भावान्तर योजना की जानकारी देते हुए बताया कि अतिवृष्टि एवं कीट प्रकोप से सोयाबीन की फसल प्राभावित हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उन किसानों के नुकसान की भरपाई भावान्तर योजना से करने का निर्णय लिया है। भावान्तर योजना के तहत पंजीयन का कार्य 17 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। संबंधित किसान योजना का लाभ लेने के लिए शीघ्र पंजीयन अवश्य करा लें।

खेत की जुताई करने जा रहा ट्रैक्टर इंजन पलटा, दबने से चालक की मौत

सूचना मिलते ही पहुंचे थाना प्रभारी गोहपारू अपनी टीम के साथ

शहडोल। गोहपारू थाना क्षेत्र के बेलहा गांव में खेत की जुताई करने जा रहा ट्रैक्टर इंजन नदी के पास पलट गया, इंजन के नीचे दबने से चालक की मौके पर मौत हो गई है। घटना देख स्थानीय लोगों मौके पर दौड़े और चालक को निकालने की कोशिश की गई। लेकिन जब तक उसकी मौत हो गई थी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी जांच शुरू की है। और चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद शव को बाहर निकला गया। पुलिस ने बताया कि घटना बेलहा गांव में हुई है। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर चालक बीरभान सिंह पिता भगवानदास सिंह (27) निवासी बेलहा थाना गोहपारू की इस घटना में मौत हुई है। बताया गया कि बीरभान अपने खेत की जुताई करने के लिए स्वयं का ट्रैक्टर इंजन लेकर खेत जा रहा था, तभी खेत के पहले स्थित एक स्थानीय नदी के पास चालक ने ट्रैक्टर इंजन से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा, इंजन के नीचे दबने से चालक की मौके पर मौत हो गई। घटना देख स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और इंजन में दबे चालक को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन जब तक काफी देर हो गई थी, लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद इंजन के नीचे दबे शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम की कार्यवाही के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना पर हम मौके पर पहुंचे थे, इंजन के नीचे चालक का शव दबा हुआ था। नदी के पास गड्ढे में ट्रैक्टर पलटा हुआ था, स्थानीय लोगों की मदद से हमने इंजन को हटवा कर शव को निकला है। मामले में मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

12 जुआरी गिरफ्तार

विदिशा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ एवं जुआ विरोधी विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सिविल लाइन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह तथा थाना प्रभारी सिविल लाइन आर.के. मिश्र के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 90,000 नगद, 02 कारें (अनुमानित कीमत 14,00,000), कुल मशरूका 18,10,410 रूपए जब्त किया गया।

महिला को ब्लैकमेल करने वाले आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना सिंहपुर क्षेत्रांतर्गत पीड़िता महिला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया तथा परिचित महिला साबिया पिता मजीद, उसका भाई बबलू पिता मजीद एवं बिलाल पिता फुद्दू तीनों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपये की मांग की और फेसबुक पर वीडियो अपलोड कर बदनामी की। थाना सिंहपुर में अपराध आई.टी. एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था। फरार आरोपी हिमांशु कालवांडे पिता संजय कालवांडे, निवासी सरकारी कुआ) महाराणा प्रताप नगर) जबलपुर को पुलिस ने दिनांक 10.10.25 को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

दीपावली तक अतिक्रमण के विरूद्ध नहीं होगी कार्यवाही

मुनादी कराकर आमजन को दी जाएगी जानकारी

शहडोल । शहडोल नगर में अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में कलेक्टर डॉ केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला व्यापारी संघ तथा नगर पालिका के अध्यक्षघनश्याम जायसवाल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने व्यापारी संघ के अनुरोध पर दीपावली पर्व तक अतिक्रमण हटाने संबंधी कार्यवाही स्थगित करने के निर्देश नगरपालिका प्रशासन को दिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा जिन मार्गों का निर्माण कराया जाना है। उन मार्गों का प्रस्तावित रोड सीमा तक आयल पेन्ट से रोड का चिन्हांकन करा दिया जाए। नगर पालिका द्वारा मार्ग निर्माण की मुनादी भी कराई जाए। जिससे मार्ग निर्माण में प्रभावित होने वाले लोग अपनी आपत्ति वैध दस्तावेजों के साथ जानकारी नगर पालिका कार्यालय को दे सकें। दीपावली पर्व के बाद व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों द्वारा स्वम कहा है कि व्यापारी प्रतिनिधि नगर पालिका के साथ प्रस्तावित मार्गो का भ्रमण कर लोगों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील करेंगे और अतिक्रमण हटाने में सहयोग किया जाएगा । कलेक्टर ने कहा कि व्यापारी भी त्यौहारों के दौरान दुकान इस प्रकार से लगाएं कि आवागमन मार्ग प्रभावित नहीं हो। आम जनजीवन प्रभावित नहीं हो तथा लोग सुविधानुसार सामग्री क्रय कर सकें। बैठक में व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता, एवं नगर के अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

सुहागिनों ने धूमधाम से मनाया अखंड सौभाग्य का पर्व

शहडोल। अखंड सौभाग्य का प्रतीक करवा चौथ का पावन पर्व शहरभर में सुहागिनों द्वारा पूरी श्रृद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस दिन सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए निर्जला (बिना पानी) व्रत रखा।दिनभर व्रत रखने के बाद, महिलाओं ने शाम को सोलह श्रृंगार किया और पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की। सभी सुहागिनें एक साथ एकत्र हुईं, जहां उन्होंने समूह में करवा चौथ की पौराणिक कथा सुनी।व्रत का पारण (खोलना) देर रात तब हुआ, जब आसमान में चंद्रमा के दर्शन हुए। महिलाओं ने छलनी से पहले चांद को और फिर अपने पति के चेहरे को देखा। इसके बाद, उन्होंने चंद्रमा को अर्घ्य दिया और अपने पति के हाथों जल पीकर अपना व्रत खोला।इस अवसर पर, सभी पतियों ने अपनी पत्नियों को स्नेह और सम्मान के साथ जल पिलाया और उन्हें उपहार भेंट किए। हर तरफपर्व की धार्मिकता और प्रेम का माहौल देखने को मिला। सुहागिनों ने अपने सुहाग की लंबी उम्र की दुआ मांगते हुए इस पारंपरिक पर्व को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया।

लीनेस क्लब डायमंड ने दिव्यांग को बनाया आत्मनिर्भर

शहडोल । लीनेस क्लब डायमंड की बहनों ने मिलकर एक दिव्यांग जरूरतमंद व्यक्ति को जीविका उपार्जन के लिए सहायता की गई। क्लब की सदस्यों ने दिव्यांग को गैस सिलेंडर एवं चाय,समोसा,जलेबी बनाने के बर्तन, राशन, साथ ही बदलते हुए मौसम के लिए कंबल एवं नगद राशि देकर एक छोटे से व्यवसाय को आरंभ कर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। क्लब की पूर्व एरिया ऑफिसर लीनेस ममता जैन, चार्टर वाइस प्रेसिडेंट एवं माइक्रो चेयर पर्सन रिंकी दुबे, एवं चेयर पर्सन प्रभा मिश्रा उपस्थित रहीं।

शासन की गाइड लाइन के अनुसार हो रहा कार्य, नेशनल हाईवे सड़क परियोजना निदेशक ने की पत्रकार वार्ता

विदिशा। शनिवार को नेशनल हाईवे सड़क प्राधिकरण द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन अहमदपुर रोड स्थित कार्यालय में किया गया। इस दौरान नेशनल हाईवे सड़क परियोजना निदेशक सिद्धांत सिंघई सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे द्वारा सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिसमें नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। किसी भी प्रकार का कोई गलत काम नहीं किया जा रहा है और जो उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं वह निराधार हैं।

शनिवार को अहमदपुर रोड स्थित बाईपास नेशनल हाईवे सड़क अथॉरिटी कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान नेशनल हाईवे और पीआईयू विदिशा के परियोजना निदेशक सिद्धांत सिंघई ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि नेशनल हाईवे द्वारा सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है जो शासन द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की भूमि सड़क चौड़ीकरण में आई है उनको मुआवजा दिया गया है और किसी भी प्रकार की कोई जबरदस्ती नहीं की जा रही है और शासन की गाइड लाइन के अनुसार भूमि अधिग्रहण किया गया है। उन्होंने कहा की पिछले दिनों जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि कैलाश रघुवंशी द्वारा आरोप लगाया गया था कि नेशनल हाईवे द्वारा जो सर्वे नंबर अधिग्रहण किया गया है उस पर काम न कर दूसरे सर्वे नंबर पर काम किया जा रहा है। ऐसा कोई भी कार्य दूसरे नंबर पर नहीं किया जा रहा है। उनके द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं वह गलत और निराधार हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे सड़क प्राधिकरण द्वारा किसी भी राजनीतिक दबाव के चलते किसी भी किसान के साथ कोई गलत नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर कैलाश रघुवंशी द्वारा आरोप लगाया गया है उस जगह का उन्हें मुआवजा दिया जा चुका है और कार्य करने की उनको पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि वह अंदर जाने की अनुमति नहीं दे रहे थे जिसके कारण से राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों को बुलाकर सीमांकन कराया गया था और पोल शिफ्टिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि 132 केवी लाइन को सड़क से ऊंचा करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने जो भी आरोप लगाए हैं वह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान या आमजन को किसी भी प्रकार की कोई समस्या है तो वह नेशनल हाईवे कार्यालय में आकर अपनी समस्या अधिकारी कर्मचारियों के समक्ष रख सकते हैं और उस पर तुरंत ही निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे सड़क प्राधिकरण द्वारा किसी के साथ कोई जोर जबरदस्ती और गलत कार्य नहीं किया जा रहा है। शासन की गाइड लाइन के अनुसार की कार्य किया जा रहे हैं और इसकी पूरी पारदर्शिता के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री चौहान का दौरा कार्यक्रम

विदिशा। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 12 अक्टूबर को विदिशा जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री चौहान का प्राप्त दौरा कार्यक्रम अनुसार रविवार 12 अक्टूबर की प्रातः 10.30 बजे भोपाल से विदिशा के लिए प्रस्थान कर दोपहर 11.30 बजे विदिशा आगमन और विट्ठल नगर में स्थित अपना घर आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे इसके पश्चात दोपहर एक बजे समाजसेवियों से चर्चा, दोपहर 1.45 बजे भण्डारी पैलेसे में आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री चौहान का दोपहर 2.45 से तीन बजे तक का समय आरक्षित रखा गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संभागीय कार्यशाला आयोजित

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अध्यादेश क्र 14 एक एवं 14 दो के सफल क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, अध्यक्ष के रूप में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु प्रो राजेंद्र कुमार कुररिया रहे। साथ ही विषय प्रवर्तक के रूप में उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ धीरेंद्र कुमार शुक्ला, विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. प्रतिभा कुमार, महाविद्यालय के जन्म भागीदारी अध्यक्ष विभव पांडे उपस्थित रहे । इस कार्यशाला में शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर जिले के सभी शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभिन्न विषयों के नोडल अधिकारीएवं शिक्षामित्र के रूप में विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार तिवारी ने सम्मानित अतिथियों का शाल एवं श्रीफल देकर स्वागत किया और स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा रखी।डॉ धीरेंद्र कुमार शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025 26 से स्नातक पाठ्यक्रम में लागू अध्यादेश क्रमांक 14 (1) एवं स्नातकोत्तर के लिए अध्यादेश 14 (2)के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डॉ प्रतिभा कुमार ने एसडब्ल्यूवाइएएम (स्वयं) कोर्स के बारे में बताया कि किस प्रकार किसी भी समय कहीं से बैठकर ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त कर सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते है जो हमारे नियमित कोर्स के साथ क्रेडिट किया जा सकते हैं।कार्यक्रम के संयोजक डॉ राजीव श्रीवास्तव एवं सह संयोजक डॉ समसुल हक एवं डॉ बृज किशोर सिंह रहे। कार्यक्रम के दौरान कन्या महाविद्यालय के समस्त प्रध्यापक,अतिथि विद्वान,जनभागीदारी अतिथि विद्वान एवं अशैक्षणिक स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन किया।कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन डॉ विनोद सुनार एवं डॉ मोनिका मन्हास गुप्ता ने किया।

पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्म निर्भरता मिशन का शुभांरभ

विदिशा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्म निर्भरता मिशन का शुभांरभ किया है। कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्यपालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं व 42000 करोड़ रूपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उपरोक्त कार्यक्रम का विदिशा जिले में भी सीधा देखने सुनने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। विदिशा कृषि उपज मंडी प्रागंण में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा विधायक मुकेश टण्डन, अनाज तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष राधेश्याम महेश्वरी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेडिया, सहायक संचालक महेन्द्र ठाकुर, मंडी सचिव नीलकमल वैद्य सहित अन्य व्यापारीगण, हम्माल व तुलावटगणों के साथ-साथ कृषकबंधु समेत मंडी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सी.एम.ओ. नितिन बिंजवे की लगातार अनुपस्थिति के चलते सी.एम.ओ. वीरेन्द्र तिवारी को प्रभार

नपा के कार्य हो रहे थे प्रभावित

सी.एम.ओ. नितिन बिंजवे पर ई.ओ.डब्लू. ने किया है मामला दर्ज

आमला। पिछले एक वर्ष से आमला नगरपालिका में सब कुछ ठीक ठाक नही चल रहा है विशेषकर सी.एम.ओ. के मामले में पहले सी.एम.ओ. विरेन्द्र तिवारी को आमला पदस्थ किया गया। उनके ऊपर भिण्ड जिले में आर्थिक अनियमितता के चलते एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी जिसके चलते उन्होने कई दिन तक नगरपालिका की तरफ मुड़ कर नही देखा। इससे नपा के कार्य प्रभावित होते रहे। उसके बाद बिना विरेन्द्र तिवारी को आमला से हटाए सी.एम.ओ. नितिन बिंजवे को आमला भेज दिया। बिंजवे की कार्यप्रणाली से पार्षदों में नाराजगी दिखाई दी तो शहर में भी आक्रोश पनपा। इसी बीच नितिन बिंजवे लंबे अवकाश पर चले गए। इसके चलते नगरपालिका के कार्य फिर प्रभावित होने लगे। कर्मचारियों का वेतन रूक गया। फिर जानकारियां सामने आई कि नितिन बिंजवे के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा ने एफ.आई.आर. करवाई है। उधर नितिन बिंजवे पर एफ.आई.आर. हुई इधर नपा के कार्य प्रभावित होना शुरू हो गए जिसके चलते पार्षदों ने क्षेत्रीय विधायक डॉ पण्डाग्रे के पास गुहार लगाई तो वही नगरपालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे ने भी नगरीय प्रशासन के संयुक्त संचालक का दरवाजा खटखटाया।

नितिन बिंजवे पर गंभीर आरोप

ई.ओ.डब्लू. ने नितिन बिंजवे के खिलाफगंभीर धाराओं में मामला दर्ज करवाया है। बताया जाता है कि छिंदवाड़ा जिले की नगरपालिका न्यूटन चिखली में अपनी पदस्थापना के समय सी.एम.ओ. बिंजवे ने खूब फर्जीवाड़ा किया जिसकी शिकायत होने पर ई.ओ.डब्लू. ने जांच की और एफ.आई.आर. दर्ज करवाई।

विरेन्द्र तिवारी को मिला प्रभार

शुक्रवार संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन द्वारा एक आदेश जारी किया गया जिसमें आमला नगरपालिका का प्रभार विरेन्द्र तिवारी को देने की बात कही गई। साथ ही यह भी कहा गया कि सी.एम.ओ. नितिन बिंजवे पर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरों जबलपुर द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज की गई है।

नपा अध्यक्ष ने किया था अनुरोध

संभागीय संयुक्त संचालक आर.एस.मण्डलोई ने बताया कि नगरपालिका परिषद आमला के अध्यक्ष के अनुरोध पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी विरेन्द्र तिवारी को आमला का प्रभार दिया गया है तिवारी के पास वित्तीय प्रभार भी रहेगा।

विधायक के पास भी पंहुचे थे पार्षद

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरपालिका आमला के पार्षदों ने क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पण्डाग्रे से मिलकर सी.एम.ओ. नितिन बिंजवे को हटाने का आग्रह किया था जिस पर विधायक ने भी उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया था। पार्षद ममता धामोड़े ने बताया कि सी.एम.ओ. न होने के कारण आमला नगरपालिका के कार्य प्रभावित हो रहे थे।

मामला अभी तहसील न्यायालय में है लंबित

किसान की अनुपस्थिति में आर.आई. ने खेत में चलवाई जे.सी.बी. और चलवाया ट्रेक्टर

किसान की अनुपस्थिति में कर दिया सीमांकन

ब्यूरो : जितेन्द्र शर्मा

आमला। ग्राम कनोजिया के एक किसान ने राजस्व निरीक्षक और पटवारी पर गंभीर आरोप लगाए है। पिडित किसान ने इन दोनो के खिलाफ एस.डी.एम. आमला को आवेदन भी दिया है और थाने में भी आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की है। किसान रामपाल कापसे ने बताया कि मेरी भूमि का विवाद तहसील कोर्ट में चल रहा है। मामला अभी लंबित है इसके बाद भी 9 अक्टूबर को राजस्व निरीक्षक और पटवारी ने मेरी अनुपस्थिति में सीमांकन कर दिया साथ ही जे.सी.बी.और ट्रेक्टर से खड़ी गन्ने की फसल नष्ट करवा दी। यह सारा कार्य दूसरे पक्ष से मिली भगत करके किया गया है। रामपाल कापसे ने बताया कि राजस्व निरीक्षक द्वारा हमे लिखित में किसी प्रकार की सूचना नही दी गई और पहले भी हमें कभी समय पर नही बताया गया। समय बताया जाता था 11 बजे और राजस्व निरीक्षक आते थे 5 बजे 9 अक्टूबर को भी 05 :30 बजे के बाद सीमांकन का कार्य नियम विरूध्द किया गया। हमने इसकी शिकायत तहसीलदार आमला के पास भी दर्ज करवाई तो तहसीलदार ने कहा कि हमने किसी को नही भेजा था। तो फिर राजस्व निरीक्षक किसके आदेश पर कब्जा दिलवाने कनोजिया पंहुचे थे। किसान रामपाल कापसे ने राजस्व निरीक्षक पटवारी और किसान(दूसरा पक्ष) इस पुरे प्रकरण में शामिल थे उनके खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया धन-धान्य योजना व दलहन आत्मनिर्भर मिशन का शुभारम्भ

कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों ने देखा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

रायसेन। शनिवार को नई दिल्ली पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर से पीएम धन-धान्य योजना व दलहन आत्मनिर्भर मिशन का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय कृषि शिवराज सिंह चौहान, मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा में किसानों ने देखा व सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार लगातार काम कर रही है, वर्ष 2014 से अब तक खाद्यान्न उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 4 करोड़ टन से अधिक कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है। हालांकि दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने कीआवश्यकता है,जिसके लिए दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया जा रहा है। इस मिशन में देश के 421 जिलों का चयन किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश के 47 जिले जिसमें रायसेन जिला भी शामिल है। कार्यक्रम में जी.एस. रैकवार अनुविभागीय कृषि अधिकारी,सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे, वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. मुकुल कुमार, रंजीत सिंह राघव, डॉ. अंशुमान गुप्ता, वैज्ञानिक आलोक कुमार सूर्यवंशी, लक्ष्मी चक्रवर्ती, डॉ. ब्रहमानंद शुक्ला, पंकज भार्गव, सुनील केथवास का आदि मौजूद थे।

किसानों से परिचर्चा कर दी सलाह:- ''पीएम धन-धान्य योजना'' के तहत देश के 100 आकांक्षी कम उत्पादक जिलों की पहचान की गई है, जहां सिंचाई, भंडारण, ऋण सुविधाओं और फसल विविधिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वही कार्यक्रम के बाद कृषकों के साथ कृषक परिचर्चा का आयोजन किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे द्वारा रबी मौसम में दलहनी फसल चना व मसूर में उक्ठा एक मुख्य समस्या है जिसके नियंत्रण के लिए उन्नत प्रजातियां पूसा मानव, पूसा पार्वती, जवाहर चना-36, जवाहर चना- 52, जवाहर चना-18, आर.व्ही.जी.-204, आर.व्ही.जी.-205 का चयन करें एवं बुवाई के समय बीज उपचार ट्राइकोडर्मा विरिडी से कर बुवाई करने की सलाह दी गयी। कार्यक्रम में सांची ,गैरतगंज ,औबेदुल्लागंज,सिलवानी,उदयपुरा विकासखण्ड के कृषक व महिला कृषक शामिल हुए।

धान की आवक शुरू रोजाना आएंगी हजारों ट्रॉलियां, दशहरे मैदान को बनाया अस्थाई मंडी

नगर में वन-वे होगी सड़क,बार-बार नही लगेगा जाम,लोगों को मिलेगी राहत

रायसेन। कृषि उपज मंडी में धान की आवक शुरू हो गई है। किसानों को व्यवस्थित तरीके से धान बेचने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए एसडीएम मनीष शर्मा ने शनिवार को मंडी सचिव, कर्मचारियों और व्यापारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में एसडीएम शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में धान की आवक काफी बढ़ जाएगी, अनुमान है कि प्रतिदिन 800 से 1000 ट्रॉलियां आएंगी। किसानों की सुविधा के लिए हर साल की तरह इस बार भी दशहरे मैदान को अस्थाई मंडी बनाया गया है। इस अस्थाई मंडी में ट्रॉलियों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा करने के लिए उन पर नंबर डाले जाएंगे और चूने की लाइनें खींचकर स्थान निर्धारित किए जाएंगे। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि दशहरे मैदान में आने वाली ट्रॉलियों को अपने नंबर और टोकन के आधार पर ही निर्धारित स्थान पर खड़ा करना होगा। व्यापारियों और किसानों के बीच समन्वय बनाए रखने और सुगमता से धान की खरीद सुनिश्चित करने के लिए यातायात विभाग को भी निर्देश दिए गए हैं।

बनेगा वन-वे रोड नही लगेगा जाम:- कृषि उपज मंडी के सामने के रोड बार-बार जाम की स्थिति से बचने के लिए वन-वे रोड की व्यवस्था की जाएगी,जिसमें एक तरफ से किसान अपनी धान की ट्रॉलियां लेकर आएंगे और दूसरी तरफ से कृषि उपज मंडी के सामने का रोड चालू रहेगा। एसडीएम ने धान लाने वाले किसानों से अपील की है कि वे पूरी व्यवस्था का पालन करें और अपनी ट्रॉलियां निर्धारित स्थान पर ही खड़ी करें। अव्यवस्थित तरीके से ट्रॉलियां खड़ी करने से व्यवस्था बिगड़ती है और जाम की स्थिति भी बनती है। जिले में करीब 3 लाख हेक्टेयर में धान की फसल बोई जाती है।

मौसम के बदले तेवर सुबह शाम लग रही सर्दी,बच्चों की सेहत पर पड़ रहा असर, डॉक्टर ने लोगों को दी सलाह

रायसेन। बार-बार बदल रहा मौसम के बाद से सुबह और रात को मौसम ठंडा होने लगा है। हालांकि दिन में धूप का तेज असर है। वहीं हल्की सर्दी शुरू होने के साथ गुनगुनी धूप भी अच्छी लग रही है। दिन का अधिकतम तापमान 33 तो वहीं रात का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास चल रहा है, सुबह के समय शहर में कोहरे की धुंध भी छा रही है। इन दिनों दिन में तेज धूप तो वहीं रात में मौसम ठंडा होने से लोगों और बच्चों की सेहत पर असर पड़ रहा है। बदलते मौसम के चलते जिला अस्पताल में लोग सर्दी खांसी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। इसे लेकर डॉक्टर लोगों को इस मौसम में अपना खास ध्यान रखने की सलाह दे रहे हैं।

दीपावली को लेकर नगर पालिका सीएमओ ने शुरू की पहल

घरों से निकलने वाले कचरे को उठाने दिन में दो बार वाहन आएंगे

रायसेन। दीपावली पर्व को लेकर घरो की विशेष रूप से साफ-सफाई होने पर घरों से निकलने वाले कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इसे देखते हुए रायसेन नगर पालिका ने एक नई व्यवस्था लागू की है। अब शहर में कचरा उठाने वाले सभी 9 वाहन अपने निर्धारित वार्डों में दिन में दो बार चक्कर लगाएंगे। यह पहल इसलिए की गई है ताकि लोग घरों से निकलने वाला अतिरिक्त कचरा सड़कों पर न फेंकें और शहर को स्वच्छ रखा जा सके। इससे पहले ये वाहन दिन में केवल एक ही बार चक्कर लगाते थे। नई व्यवस्था के तहत अब दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच दूसरी बार कचरा लेने के लिए वाहन आएंगे। नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव ने शहरवासियों से अपील की है कि वे घरों से निकलने वाले कचरे को सड़कों पर न डालकर केवल कचरा वाहनों में ही डालें। उनका कहना है कि इससे घरों की तरह शहर भी साफ सुथरा रहेगा।

शताब्दी वर्ष पर बनाई मानव श्रृंखला

200 छात्राओं ने लिया सामाजिक समरसता का संकल्प

रायसेन। स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार को एक मानव श्रृंखला बनाई गई। इस आयोजन में आदर्श कन्या स्कूल की 200 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। अभाविप के विभाग संयोजक अश्विनी पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देशभक्ति के साथ-साथ शिक्षा,स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करता है। संघ ने समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। संघ की गतिविधियों ने न केवल शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार किया है, बल्कि सामाजिक समरसता और सौहार्द को भी बढ़ावा दिया है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ पंच परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य कर रहा है, जो समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यकर्ताओं ने संघ के साथ मिलकर समाज के विकास और उत्थान के लिए काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य पंकज तोमर, सहित विद्यार्थी परिषद के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिठाई की दो दुकानों से लिए सैंपल, भोपाल जांच के लिए भेजे

रायसेन। शहर में दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई की दुकानों पर जांच की। शहर की बीकानेर स्वीट्स और शुभम स्वीट्स से सैंपल लिए गए। ये सैंपल जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं। बीकानेर स्वीट्स से बेसन के लड्डू,मथुरा पेड़ा,मावा पेड़ा,कलाकंद,पनीर,बर्फी और नमकीन के सैंपल लिए गए। शुभम स्वीट्स से मावा और पनीर के नमूने लिए गए। जांच के दौरान मिठाई विक्रेताओं को साफ-सफाई रखने की हिदायत दी गई। अधिकारियों ने कहा कि तेल का उपयोग तीन बार से अधिक न करें। स्याही लगे पेपर में खाद्य सामग्री न परोसें। खाद्य सुरक्षा विभाग ने लोगों से अपील की है कि समोसा, कचौड़ी जैसी चीजें स्याही वाले पेपर में न खरीदें। ज्यादा रंग वाली मिठाइयों से बचें। यह कार्रवाई एसडीएम के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार शैलेष सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र नुनइयां ने की।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

डिंडौरी सहित 8 जिलों को मिला प्रधान मंत्री धन धान्य योजना का लाभ

डिंडौरी। प्रधानमंत्री धन -धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारम्भ 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश एवं प्रदेश के चयनित जिलों के लिए किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश के डिंडौरी सहित 8 और जिले शामिल है। साथ ही कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण की 2100 से अधिक अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। पीएम कृषि धन धान्य योजना में मप्र के चयनित 8 जिले आलीराजपुर ,अनूपपुर, सीधी,शहडोल ,उमरिया ,डिंडौरी ,टीकमगढ़ एवं निवाड़ी हैं।

पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भर मिशन का 11 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर पूसा नई दिल्ली से लाइव प्रसारण जिला स्तर पर कलेक्टर के ऑडिटोरियम हॉल एवं बस स्टैंड परिसर एवं विकासखंड स्तर पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के आतिथ्य में सरस्वती मां की छायात्रित पर फूलमाला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। साथ में कलेक्टर अंजू भदौरिया, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने उदबोधन में भारत माता की जय के साथ सशक्त किसान ही समृद्ध राष्ट्र के विषय पर चर्चा की वहीं स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही सिंचाई क्षेत्र , कृषि आधारित उद्योगों को ब?ने पर जोर दिया। इसी के साथ ही कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्यौहार, जिला पंचायत सदस्य हीरा रुद्रेश परस्ते, जिला अध्यक्ष भाजपा चमरू सिंह नेताम, जनपद अध्यक्ष विकासखंड अमरपुर, लक्ष्मण सिंह ठाकुर, महेश धुमकेती, गणेश सिंह, आरके तिवारी, मालती तिवारी, हन्नू सिंह पट्टा, सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. गीता सिंह ने इस कार्यक्रम की उपयोगिता एवं रूपरेखा अतिथियों से सांझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये किसानो से नरवाई/ फसल अवशेष प्रबंधन कर मृदा सुपोषण की अपील की उन्होंने किसानो भाइयो से अपील की सभी किसान फसल अवशेष को सुपरसीडर/ रोटावेटर से मिट्टी में मिलाकर मृदा सुपोषण करे। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने अपने उदबोधन में कहा कि भारत देश में कम उत्पादकता, कम फसल तीव्रता, कम ऋण वितरण के आधार पर पूरे देश 100 जिलों का चयन किया गया है जिसमें अपना जिला डिंडौरी भी शामिल है। शासन की योजना सोयाबीन बोने वाले किसानो से पंजीयन कराकर भावांतर योजना के लाभ लेने की अपील की गई साथ ही रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत ?िले के कोदो कुटकी बोने वाले किसान भाइयों से पंजीयन कराने की अपील की। और जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। हम शासन की हितग्राहीमूलक योजना, कृषि के क्षेत्र में बेहतर से बेहतर कार्य करके योजनाओं को जमीनी स्तर पर ले जाकर अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगे। जिससे जिले में किसानों के साथ साथ आम जनता को भी सिंचाई, अच्छी गुणत्ता का बीज, सिंचाई, कृषि के उपकरण उपलब्ध कराकर किसानों को अधिक उत्पादन होने से आय में वृद्धि होगी। इसी क्रम कृषि विज्ञान केंद्र डिंडौरी से रेणु पाठक द्वारा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों हेतु अपने अनुभव साझा किए जिससे जिले के कृषकों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिले के समस्त जिला अधिकारी अपने मैदानी अमला सहित किसान उपस्थित रहे। जिले के विभिन्न विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और कृषकों सहित लगभग 928 किसान कार्यक्रम में शामिल हुए। जिले के विकासखंड, तहसील से कृषकों ने ऑनलाइन के माध्यम से भाग लिया। जिले के सभी ब्लॉक में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसमें महत्वपूर्ण भूमिका टूवे कम्यूनिकेशन लाइव प्रसारण की व्यवस्था सफलतापूर्वक प्रशांत कौशिक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, दीपक साहू ई-गर्वनेंस प्रबंधक की रही।

कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, कृषि उपसंचालक अभिलाषा चौरसिया, आत्मा प्रबंधक नेहा धूरिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ समस्त छात्रावास अधीक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सबसे पहले सभी अधीक्षकों से परिचय प्राप्त किया और छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप छात्र-छात्राओं को निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने भवनों की मरम्मत कार्य, साफ-सफाई, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, सीसी कैमरा की स्थापना, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, खिड़की-दरवाजों में जाली व परदे लगाने जैसी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि छात्रावासों के नियमित निरीक्षण के लिए विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे अधीक्षकों को आवश्यक सुविधाएं जुटाने में सहायता मिलेगी। किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त के माध्यम से उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक छात्रावास में अभिभावक समिति की बैठक कर सर्वसम्मति से आवश्यक कार्यों को स्थानीय स्तर पर पूर्ण कराया जाए तथा उसकी सूचना विभाग को भेजी जाए। उन्होंने सभी अधीक्षकों से आग्रह किया कि अपने कार्य के साथ-साथ गांव के युवा-युवतियों को स्व-रोजगार से जोड़ने का भी प्रयास करें।

'द चैम्प्स फन स्कूल' में तोरण एवं ज्वेलरी मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन

नर्मदापुरम। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में शनिवार को अर्धवार्षिक परीक्षा की पैरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। अभिभावकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिक्षकों से अपने बच्चों की प्रगति के बारे में चर्चा की और उनके शैक्षणिक विकास के संबंध में उपयोगी सुझाव भी प्राप्त किए।

इसी अवसर पर विद्यालय द्वारा दीवाली के उपलक्ष्य में एक विशेष 'तोरण एवं ज्वेलरी मेकिंग वर्कशॉप' का भी आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने मिलकर रंग-बिरंगे कागज़, मोतियों, लेस और सजावटी सामग्री से आकर्षक तोरण व सुंदर ज्वेलरी तैयार की। इस रचनात्मक गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में कलात्मक सोच, रचनात्मकता और पारंपरिक कला के प्रति रुचि विकसित करना था। वहीं अभिभावकों की सहभागिता ने बच्चों के आत्मविश्वास और सीखने की प्रक्रिया को और भी रोचक बना दिया। वर्कशॉप के अंत में बच्चों ने अपनी बनाई हुई वस्तुएँ गर्व से घर लेकर गए। पूरे दिन विद्यालय का वातावरण उत्साह, रचनात्मकता और सीखने की खुशी से भरा रहा।

प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी ने बताया कि हम प्रतिवर्ष बच्चों को दीपावली के त्यौहार के पूर्व घर सजाने के लिए रचनात्मक कौशल विकास हेतु वर्कशॉप का आयोजन करते हैं। द चैम्प्स फन स्कूल परिवार के लिए यह दिन न केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि का प्रतीक रहा, बल्कि माता-पिता और बच्चों के बीच स्नेह व सहयोग के सुंदर संबंध का भी प्रतीक बन गया। वर्कशॉप की प्रभारी अक्षिता दीवान एवं संध्या यादव रही और सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के योगदान के साथ यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपूर्ण हुआ।

चेन स्नेचिंग का खुलासा – नर्मदापुरम पुलिस ने आरोपी को भोपाल से दबोचा

एक विधि विरुद्ध बालक सहित गिरोह के अन्य सदस्य चिन्हित, सोने की चेन व पैंडल बरामद

नर्मदापुरम। थाना कोतवाली एवं थाना देहात क्षेत्र में 1 अक्टूबर को हुई दो अलग-अलग चेन स्नेचिंग की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। दोनों मामलों की जांच में जुटी संयुक्त पुलिस टीम ने घटनाओं को अंजाम देने वाले एक आरोपी को भोपाल के मंडीदीप क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी एक विधि विरुद्ध बालक है, जिसने पूछताछ में अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने की चेन, मंगलसूत्र का पैंडल और घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल (बजाज NS125) को भी बरामद किया है। अन्य दो आरोपियों में से एक की पहचान जीशान खान निवासी अर्जुन नगर, भोपाल के रूप में हुई है, जबकि तीसरे की तलाश जारी है।

दोनों घटनाएं : एक ही दिन, अलग-अलग स्थानों पर

पहली घटना- फरियादिया सोनिया चौरे के साथ डबल फाटक ओवरब्रिज, नर्मदा अस्पताल के पास चेन स्नेचिंग।

दूसरी घटना: फरियादिया मोनिका उमरिया के साथ जिला अस्पताल तिराहा, चाणक्य फोटो कॉपी के सामने।

दोनों घटनाओं में तीन युवक मास्क पहनकर पल्सर मोटरसाइकिल से आए और फरार हो गए थे।

पुलिस ने 500 से अधिक CCTV फुटेज खंगालकर संदेहियों का पता लगाया।

भोपाल से शुरू हुई सघन तलाश और गिरफ्तारी

विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंडीदीप में 11 मील ओवरब्रिज के नीचे घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए अपने साथियों का नाम बताया। वहीं गिरफ्तार आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर भोपाल के मिसरोद व कोलार थाना क्षेत्र में भी इसी तरह की घटनाएं की हैं।इस पूरे ऑपरेशन में थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन ठाकुर, निरीक्षक सौरभ पांडेय, निरीक्षक पदम सिंह मौर्य (सायबर सेल), और अन्य पुलिसकर्मियों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

गुप्ता ग्राउंड में लगेगा फटाखा बाजार

सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीओपी ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। नगरपालिका द्वारा गुप्ता ग्राउंड में फटाखा बाजार लगाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेंद्र रावत और एसडीओपी जितेंद्र कुमार पाठक द्वारा किया गया। साथ ही सुरक्षा संबंधित विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में गुप्ता ग्राउंड में फटाखा बाजार लगाने की व्यवस्था की जा रही है। शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीओपी द्वारा निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरे लगाने, दमकल चौबीस घंटे रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बनाए जाने वाले गलियारों में किसी प्रकार से दुकान न लगे इस बात का भी ध्यान रखा जाए। सुरक्षा की दृष्टि फटाखा बाजार में पार्किंग स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान सिटी कोतवाली टीआई कंचन ठाकुर, नगरपालिका का अमला और पुलिस बल मौजूद रहा।

ग्राम बगवाड़ा में 10 फीट लंबा अजगर का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

नर्मदापुरम। शनिवार को ग्राम बगवाड़ा में निखिल विश्वकर्मा के खेत में निंदाई करते समय किसान को 10 फीट लंबा अजगर दिखा। अजगर दिखने से सभी काम वालों में डर का माहौल फैल गया। इस दौरान गांव के कई लोग इकट्ठा हो गए। जब उन्होंने पावरखेड़ा निवासी सर्प विशेषज्ञ उदय सराठे को कॉल किया, तब उदय सराठे अपने साथी बृजेश को लेकर ग्राम बगवाड़ा पहुंचे। सर्प विशेषज्ञ उदय सराठे ने रेस्क्यू कर झाड़ियां के बीच में बैठे अजगर को कड़ी मस्कट के बाद पकड़कर जंगल में सुरक्षित स्थान पर छोड़ा।

आर्किटेक्ट टीम ने किया निरीक्षण

भोपाल चौराहे का सौंदर्यीकरण का कार्य जारी

नर्मदापुरम। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में नगर में ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। शुक्रवार को भोपाल चौराहे का गुजरात की आर्किटेक्ट टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के ईई द्वारा दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नपा के उपयंत्री अंबक पाराशर, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे और आर्किटेक्ट एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

उपयंत्री पाराशर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में भोपाल चौराहे का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को गुजरात की आर्किटेक्ट टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। नपा द्वारा सर्वे एजेंसी को 15 दिवस के अंदर ड्राइंग सम्मिट करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा एनओसी और ड्राइंग प्राप्त होने के बाद नपा द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि यह कार्य नवंबर माह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

ध्यान रहे कि नगर विकास को लेकर नपाध्यक्ष यादव की विशेष रूचि के चलते अभी तक मीनाक्षी चौक का, नर्मदा महाविद्यालय चौराहे और उसकी क्रम को आगे बढ़ते हुए भोपाल चौराहे का सौंदर्यीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही भोपाल चौराहे पर मां नर्मदा की भव्य प्रतिमा लगाई जाएगी। जिससे नर्मदापुरम् नगर नए लुक में दिखने लगेगा।

दूसरे दिन भी भारतीय टीम की पकड़ मज़बूत, वेस्टइंडीज से 378 रन आगे

कुलदीप ने एक तो जडेजा को 3 विकेट

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। टीम इंडिया ने दिल्ली टेस्ट के दूसरे ही दिन वेस्टइंडीज पर मजबूत पकड़ बना ली है। टीम 378 रन से आगे है। भारत ने टी-ब्रेक से पहले 5 विकेट पर 518 रन बनाकर पहली पारी घोषित की। फिर दिन का खेल खत्म होते-होते कैरेबियाई टीम के 4 बैटर्स को पवेलियन भी भेज दिया। शनिवार को स्टंप्स तक विंडीज का स्कोर 140/4 है। शाई होप 31 और टेविन इमलाक 14 रन पर नाबाद लौटे हैं। भारतीय स्पिनर रवींद्र जडेजा ने कप्तान रोस्टन चेज (शून्य), तेगनारायण चंद्रपॉल (34 रन) और जॉन कैम्पबेल (10 रन) को आउट किया। जबकि कुलदीप यादव ने एलिक एथनाज (41 रन) को पवेलियन भेजा।

भारत ने 318/4 के स्कोर से पारी को आगे बढ़ाया। दिन के दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल खुद के गलत कॉल के कारण रनआउट हो गए। वे 175 रन ही बना सके। कप्तान शुभमन गिल 129 रन पर नाबाद लौटे। उन्होंने करियर की 10वीं सेंचुरी जमाई। साई सुदर्शन ने 87, ध्रुव जुरेल ने 44 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 43 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जोमेल वारिकन ने तीन विकेट लिए। एक विकेट कप्तान रोस्टन चेज को मिला।

शुभमन गिल ने बाबर आजम को पीछे छोड़ा

शनिवार का दिन शुभमन गिल के रिकॉर्ड्स के नाम रहा। उन्होंने टेस्ट औसत और शतक के मामले में पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ दिया। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में गिल भारत के हाईएस्ट स्कोरर बने। उन्होंने WTC में सेंचुरी के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट के आंकड़ों में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। गिल औसत और शतकों की संख्या के मामले में बाबर से आगे निकल गए। शुभमन ने अब तक 39 टेस्ट में 43.47 की औसत से 2826 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक शामिल हैं। वहीं, बाबर आजम ने 59 टेस्ट में 42.77 की औसत से 4235 रन बनाए हैं, लेकिन उनके खाते में 9 शतक ही हैं। गिल ने बाबर से 20 मैच कम खेलकर भी उनसे ज्यादा शतक लगा दिए और उनका बल्लेबाजी औसत भी बेहतर है। गिल का बेस्ट स्कोर 269 रन है, जबकि बाबर का 196 रन है। हालांकि, बाबर ने गिल से कहीं ज्यादा 29 अर्धशतक बनाए हैं। गिल 8 फिफ्टी ही लगा सके।

भारतीय ए पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगे संजय

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। चीन दौरे के लिए भारतीय ए पुरुष हॉकी टीम में ओलंपिक कांस्य पदक विजेता वरुण कुमार और संजय को जगह दी गई है। ये दोनों खिलाड़ी 12 अक्तूबर से होने वाले इस दौरे के दौरान 20 सदस्यीय भारत ए टीम का नेतृत्व करेंगे। दोनों टीमों के बीच मुकाबले जियांग्सू प्रांत के चांगझौ शहर में खेले जाएंगे। टीम की कप्तानी पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता संजय करेंगे, जो डिफेंडर होने के साथ-साथ ड्रैग फ्लिकर भी हैं। संजय के अलावा, टीम में शामिल एक और बड़ा नाम टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता वरुण का है। वरुण भी ड्रैग फ्लिकर और डिफेंडर है। ये मैच गांसु क्लब के खिलाफ खेले जाएंगे। यह हॉकी इंडिया की विकासशील टीम को अनुभव प्रदान करने की योजना का हिस्सा है। चीन दौरे के बारे में भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, यह 2026 में बहुत व्यस्त वर्ष से पहले भारत ए टीम के खिलाड़ियों को मैच अनुभव प्रदान करके वरिष्ठ पुरुष टीम के लिए प्रतिभा पूल का विस्तार करने की हमारी योजना का हिस्सा है। हम चीन में अच्छा अनुभव हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। यह टीम पिछले कुछ सप्ताह से एक साथ अभ्यास कर रही है और एक इकाई के रूप में अच्छी तरह से तालमेल बिठा रही है। वे अब कुछ मैच अनुभव हासिल करने के लिए उत्सुक हैं।

भारत की एशिया कप ट्रॉफी एसीसी चीफ की कस्टडी में

कहा- मेरी इजाजत बिना न दें

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने अपने स्टाफ को निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और मौजूदगी के बिना एशिया कप ट्रॉफी न तो ऑफिस से हटाई जाए और न ही किसी को सौंपी जाए। नकवी के एक करीबी सूत्र ने PTI को बताया, आज तक ट्रॉफी दुबई के ACC ऑफिस में ही रखी है। नकवी अब भी इस स्टैंड पर कायम हैं कि भारत को यह ट्रॉफी उनसे ही लेनी होगी। भारत ने 28 सितंबर को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था।

□□□□□□ ˝□

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। गैरी कास्पारोव ने भारत के दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को क्लच शतरंज लीजेंड्स मैच में हराया। कास्पारोव ने दो गेम शेष रहते ही 13-11 से जीत दर्ज की। इस तरह कास्पारोव ने 30 साल पुराना इतिहास फिर दोहराया। 10 अक्तूबर 1995 का दिन था जब आनंद ने न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर कास्पारोव के खिलाफ 20 गेम वाले क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच में 18वें गेम में ड्रॉ खेला और 7.5-10.5 से हार गए। वर्तमान टूर्नामेंट में नियमों के अनुसार अंतिम दो बाजियां ब्लिट्ज़ टाइम कंट्रोल के तहत खेली गईं और आनंद ने दो जीत हासिल कीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और रूस के खिलाड़ी ने पहले ही अपनी जीत पक्की कर दी थी। आखिर में स्कोर 13-11 से कास्पारोव के पक्ष में रहा।

□□ ª □□ □R/•□/¯U ¨æ/□ □□ „Ø□□¥□□

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मैदान पर उनका प्रदर्शन प्रशंसकों का दिल जीत रहा है तो वहीं मैदान के बाहर का एक हल्का-फुल्का पल भी जमकर वायरल हो रहा है।

दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान जब शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी कर रहे थे उस दौरान स्टेडियम में मौजूद एक महिला ने सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। वो महिला फैन एक तख्ती पकड़े हुई नजर आईं जिस पर लिखा था I Love You Shubman. टीवी स्क्रीन पर ये महिला जैसे ही सबको नजर आई मैदान पर मौजूद भीड़ ने जमकर तालियां बजाईं और ब्रॉडकास्टर ने इस हल्के-फुल्के पल को तुरंत हाईलाइट कर दिया जिससे उस महिला की तस्वीर तुरंत वायरल हो गई। कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंडिंग हैशटैग #ILoveYouShubman के तहत पोस्ट, मीम्स और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। इस छोटी सी घटना ने भारत और वेस्टइंडीज के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट मैच को और रोमांचक बना दिया। यही नहीं इससे ये भी जाहिर हो गया कि शुभमन गिल अब किस कदर और पॉपुलर होते जा रहे हैं और फैंस के बीच पसंदीदा बन गए हैं।

सिमरन शर्मा से विश्व पैरा-एथलेटिक्स का स्वर्ण पदक छीनने का खतरा

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा को अपने पदक गंवाने पड़ सकते हैं क्योंकि उनके गाइड उमर सैफी को डोप टेस्ट में विफल होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। सैफी सात महीने से अधिक समय से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके नमूने में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया है। यह प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है, जो मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है। सिमरन ने सात सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां संभवत: यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी रूप से निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है।

हार्दिक पांड्या ने कंफर्म किया माहिका के साथ रिश्ता

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या को हाल ही में मॉडल-एक्ट्रेस माहिका शर्मा के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिसके बाद से चर्चा चलने लगीं कि एक्ट्रेस हार्दिक की गर्लफ्रेंड हैं। दोनों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था। अब क्रिकेटर ने माहिका संग कुछ तस्वीरें शेयर कर अपने रिलेशनशिप को लेकर पुष्टि करते नजर आ रहे हैं।

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने अपने जन्मदिन से मात्र कुछ घंटे पहले इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। एक स्टोरी में क्रिकेटर ने काले रंग की शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं, जबकि माहिका शर्मा सफेद शर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस पोस्ट में दोनों को समुद्र किनारे छुट्टियां मनाते हुए देखा जा सकता है, जिसमें क्रिकेटर उनके गले में हाथ डाले दिख रहे हैं। इसके अलावा एक अन्य तस्वीर में हार्दिक ने ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की, जिसमें वे साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं और दोनों शानदार अंदाज में दिख रहे हैं। इतना ही नहीं इसमें दोनों एक-दूसरे के हाथों में हाथ डाले दिख रहे हैं। ये तस्वीरें फैंस के मन में आए कई सवालों का जवाब देती दिख रही हैं। इसलिए, नेटिजंस इसे रिश्ते की आधिकारिक घोषणा मान रहे हैं। आज शनिवार को क्रिकेटर हार्दिक पांड्या का जन्मदिन है। इस मौके पर माहिका शर्मा ने क्रिकेटर की प्यारी तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें बर्थडे विश किया है।

मालदीव्स वेकेशन से शेयर कीं ऐसी तस्वीरें

वायरल वीडियो के बाद बढ़ी थी हलचल

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा गया कि हार्दिक पांड्या, मॉडल और एक्ट्रेस माहिका शर्मा के साथ नजर आ रहे थे। इसमें अपनी गाड़ी से उतर कर हार्दिक पांड्या माहिका शर्मा का इंतजार करते हुए दिखे। फिर माहिका गाड़ी से उतर कर हार्दिक के साथ हो लेती हैं। इसके बाद दोनों साथ में एयरपोर्ट के अंदर चले गए। इसी वीडियो ने दोनों के रिश्ते को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए।

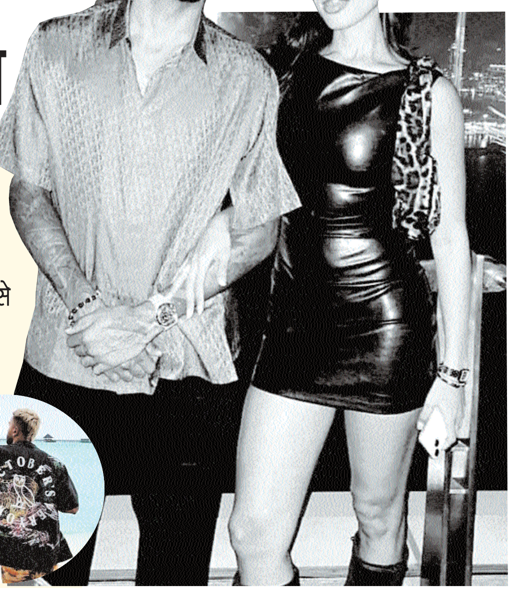

व्यापार

सोना-चांदी में भारी उतार-चढ़ाव

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना व चांदी में भारी उतार-चढ़ाव के हालात बने हुए है। कॉमेक्स पर सोना 4000 डॉलर प्रति औंस व चांदी 5100 सेंट पर है, जिसका असर घरेलू बाजार में भी है। सोने के भावों में लगभग 1300 रुपए की कमी आई है, जबकि चांदी में 2500 रुपए की तेजी है।

इंदौर सराफा-सोना केडबरी रवा नकद 125000, आरटीजीएस 124800 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 114000 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 164000, आरटीजीएस 163000 और टंच 164000 रुपए प्रति किलो। चांदी का सिक्का 1850 रुपए प्रति नग।

टॉप-10 कंपनियों में 8 की वैल्यू 1.94 लाख करोड़ बढ़ी

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 8 की वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार में 1,94,149 करोड़ रुपए बढ़ गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) टॉप गेनर रही। कंपनी की वैल्यू 45,678 करोड़ बढ़कर 10.96 लाख करोड़ हो गई है। वहीं, बिकवाली के चलते हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड 3,571 रुपए कम होकर 5.94 लाख करोड़ रुपए पर और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (LIC) का मार्केट कैप इस दौरान 4,649 करोड़ रुपए गिरकर 5.68 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। शेयर बाजार में कल यानी शुक्रवार 10 अक्टूबर को तेजी रही। सेंसेक्स 328 अंक चढ़कर 82,501 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 103 अंक की तेजी रही, ये 25,285 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी और 8 में गिरावट रही। PSU बैंक, रियल्टी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं हफ्तेभर के कारोबार में सेंसेक्स 1,294 अंक चढ़कर बंद हुआ।

मूंगदाल और मोगर में सुधार

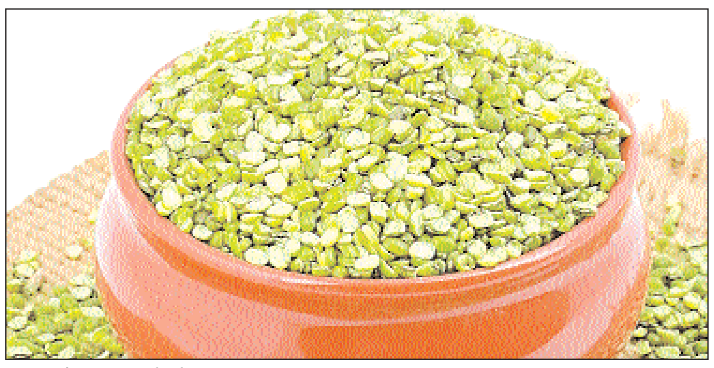

इंदौर। दलहनों में कामकाज सुस्त है। दालों में अपेक्षित उठाव नहीं होने से मिलों की खरीदी कमजोर चल रही है। चने में 100 रुपए की घटबढ़ के बीच मंदी का माहौल जारी है, उड़द, तुवर के भावों में भी दबाव है। मसूर स्थिर है। मिलों ने मूंगदाल और मूंग मोगर के भाव 100-100 रुपए बढ़ाकर बोले, लेकिन लेवाली कमजोर है।

दलहन-चना कांटा 5900 डंकी चना 5200-5500 विशाल 5650-5750, काबुली चना 9000-9400, काबुली चना रशियन 5800-6000, बिटकी 5300-5600, मसूर 6000, तुवर महाराष्ट्र सफेद 6600, महाराष्ट्र लाल 6700-6800, कर्नाटक 6800-6900 तुवर निमाड़ी 6000-6600 मूंग बेस्ट नया 8100-8300, एवरेज 6500-6700, मोगर 5500-6500, उड़द नया गर्मी 7000-7500, उड़द बोल्ड 7000-7500, एवरेज 6200-6500, हल्का 3000-5000 रुपये क्विंटल।

दालें-चना दाल 7400-7500 मीडियम 7600-7700 बेस्ट 7900-8100 मसूर दाल 7700-7800 बेस्ट 7900-8000 मूंग दाल 9300-9400 बेस्ट 9700-9900 मोगर 9400-9500 बेस्ट 9800-10000 तुवर दाल 7300-7500 मीडियम 8500-8700 बेस्ट 9200-9300 ए. बेस्ट 10100-10200,

ब्रांडेड तुवर दाल नई 10800 उड़द दाल 8700-8800 बेस्ट 8900-9100 उड़द मोगर 9700-9800 बेस्ट 10000-10100 रुपये प्रति क्विंटल।

गेहूं-गेहूं मिल क्वालिटी 2650-2675, मालवराज 2650-2750, पूर्णा 2800-2850, लोकवन 2850-2900 और मक्का 2275-2300 रुपये क्विंटल। आटा 1500-1520, मैदा 1580-1600, रवा 1620-1640 व चना बेसन 3800-3850 रुपये प्रति कट्टा।

चावल-बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7500, बासमती सेला 7000-9500, कालीमूंछ डिनर किंग 8500, राजभोग 7000, दुबराज 4500-5500, परमल 3500-3800, हंसा सेला 3600-3800, हंसा सफेद 3000-3200, पोहा 4800-5500 रुपए क्विंटल रहे।

तेल-तिलहन भाव-

इंदौर। खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1350-1355, मुंबई 1380, इंदौर सोया रिफाइंड 1255-1260 सोया साल्वेंट 1190-1195 इंदौर पाम 1380, मुंबई सोया रिफाइंड 1290, मुंबई पाम 1315 राजकोट तेलिया 2100-2110, गुजरात लूज 1350, कपास्या तेल इंदौर 1260 रुपए प्रति दस किलो।

तिलहन-सरसों निमाड़ी(बारीक) 7100-7200, रायडा 6500-6600, सोयाबीन 4200-43000, नया 3700-4000 रु. प्रति क्विंटल।

कपास्या खली-(60 किलो भरती) इंदौर 2550, देवास 2550, उज्जैन 2550, खंडवा 2525, बुरहानपुर 2525, अकोला 3800 रुपए।

डी-मार्ट को दूसरी-तिमाही में 746 करोड़ का मुनाफा

राष्ट्रीय हिंदी मेल नई दिल्ली। रिटेल चेन डी-मार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 746 करोड़ रुपए का मुनाफा (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 5.07त्न बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में भी कंपनी को 710 करोड़ का ही मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में डी-मार्ट ने ऑपरेशन से 16,219 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया, सालाना आधार पर यह 15.43त्न बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 14,050 करोड़ रहा था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू या राजस्व होता है।

रेवेन्यू 15 बढ़कर 16,219 करोड़; 2025 में अब तक कंपनी का शेयर 21% चढ़ा

कंपनी का शेयर इस साल अब तक 21% चढ़ा

नतीजे जारी करने से पहले शुक्रवार 10 अक्तूबर को एवेन्यू सुपरमार्ट (डी-मार्ट) का शेयर 0.53त्न बढ़कर 4,328 के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक साल में 5त्न गिरा है। हालांकि, बीते 6 महीने में यह 5त्न और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 21त्न चढ़ा है।

सुपरमार्केट चेन डी-मार्ट के फाउंडर हैं दमानी

सुपरमार्केट चेन डी-मार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी हैं। उन्होंने डी-मार्ट की शुरुआत 2002 में मुंबई के पवई इलाके से की थी। यहां उन्होंने डी-मार्ट का पहला स्टोर ओपन किया था। 1999 में दमानी ने नई मुंबई के नेरुल में %अपना बाजार% की एक फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी, पर उन्हें यह मॉडल जमा नहीं था।

डी-मार्ट ने 2017 में शेयर बाजार में डेब्यू किया था

डी-मार्ट सुपरमार्केट चेन को एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड (स्रु) ऑपरेट करती है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के ष्टश्वह्र नेविल नोरोन्हा हैं। 68 साल के राधाकिशन दमानी की कंपनी डी-मार्ट ने 2017 में शेयर बाजार में डेब्यू किया था। डी-मार्ट 21 मार्च 2017 को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, उस दिन कंपनी मार्केट कैप 39,988 करोड़ रुपए था। अब कंपनी का मार्केट कैप 2.81 लाख करोड़ रुपए है।

गरीब एवं जरूरतमंदों तक पहुंचा शासन की योजनाओं का लाभ : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शासन के सहयोग से महिलायें हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। गरीब एवं जरूरतमंदों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। शासन की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, लाडली लक्ष्मी योजना तथा महिला सशक्तिकरण योजनान्तर्गत महिलाएं सेल्फ-हेल्प ग्रुप के द्वारा विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से कमाई कर अपना जीवन स्तर सुधार रही हैं तथा पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है और परिवार संचालन में सहयोग कर रही हैं। राज्यपाल पटेल शनिवार को मैहर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में आयोजित हितग्राही संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा पी.एम. जनमन योजनान्तर्गत 24 हजार करोड रूपये की योजना बनाई है, जिसमें 9 विभाग कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में पीएम जनमन योजना के तहत 13 लाख 4 हजार हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। प्रदेश के जनजाति विद्यार्थियों के लिए एकलव्य विद्यालय में 12वीं तक की पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। इन विद्यालयों में रहने एवं पढ़ने की व्यवस्था है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना, पीएम जनमन योजना जनजाति वर्ग के लिए है। प्रदेश की कुल जनसंख्या में करीब 21 प्रतिशत जनजाति वर्ग के हैं और इनके लिए 80 हजार करोड़ रूपये की योजना बनाई गई है जिसमें 18 विभाग कार्य कर रहे हैं। जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं। राज्यपाल ने कहा कि सरकार गरीबों के प्रति संवेदनशील है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रूपये तक का इलाज किया जाता है। प्रदेश के हर घर में शासन की कोई ना कोई योजना लागू है जिसके तहत पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पीएम की मन की बात कार्यक्रम स्कूलों में भी शुरू किया गया है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल के तहत कार्ड बनाए जा रहे है। मुफ्त जांच एवं दवाई का वितरण किया जा रहा है। यदि पुरूष एवं महिला दोनों में सिकल सेल के लक्षण पाए जाते हैं तो वह महिला- पुरूष आपस में शादी नहीं करें।

एमएसएमई सम्मेलन सोमवार को मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 अक्टूबर को होटल ताज भोपाल में एमएसएमई सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन में उद्यमियों और स्टार्टअप को अनुदान तथा सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप उपस्थित रहेंगे। वर्चुअली कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले भी जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 औद्योगिक क्षेत्रों, 3 नवीन कार्यालय भवनों की वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। सम्मेलन में एमएसएमई एवं ओएनडीसी के मध्य एमओयू किया जाएगा।

भिलाला समाज ने जगाई सामाजिक चेतना : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी कोशिश है कि जनजातीय वर्ग का कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भिलाला समाज एक साहसी और संस्कारित समाज है, जिसने मां नर्मदा के आशीर्वाद से नशामुक्ति और मृत्युभोज जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, जो कई पीढ़ियों को बर्बाद कर देता है। समाज की कुरीतियों को खत्म करने का प्रयास एक सामाजिक क्रांति का संकेत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धार के किला मैदान में जय ओमकार आदिवासी भिलाला समाज संगठन द्वारा आयोजित 12वें प्रांतीय वार्षिक सामाजिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। सम्मेलन के तहत भिलाला समाज द्वारा युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन, रोजगार पंजीयन शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, नशामुक्ति जागरूकता शिविर, कैरियर मार्गदर्शन शिविर सहित सामाजिक कुरीतियों के निवारण के लिए जागरुकता शिविर भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर थाना (बगदून) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धार जिले की भिलाला समाज की जुझारू महिला नेत्री को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान देकर समाज का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार ने अलीराजपुर का नाम परिवर्तन कर आलीराजपुर कर दिया है।

हम उर्दू के अतीत को नहीं, उसके उज्जवल भविष्य को सलाम कर रहे : डॉ. नुसरत मेहदी

अकादमी ने रशीद इंदौरी के नाम तरही मुशायरा और पुस्तक चर्चा से संवारा अदबी परिदृश्य

भोपाल। इंदौर की वह शाम सिर्फ एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं थी, बल्कि एक रूहानी तजुर्बा थी – जब ग़ज़ल, किताब और आवाज़ ने मिलकर उर्दू अदब की रगों में फिर से नई रफ़्तार भरी। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित 'शाम-ए-ग़ज़ल-पुस्तक चर्चा एवं तरही मुशायरा' रशीद इंदौरी के नाम एक ऐसा समर्पण था, जिसमें इंदौर की मिट्टी, अदब की ख़ुशबू और शायरी का ताप सब एक साथ महसूस हुआ। कार्यक्रम का आग़ाज़ अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी के भावपूर्ण उद्बोधन से हुआ, जिनकी बातों में एक साथ सम्मान और संवेदना झलक रही थी। उन्होंने कहा कि रशीद इंदौरी की शायरी में वह भारतीयता है जो इंदौर की गलियों से लेकर हिंदुस्तान की आत्मा तक फैली है – जिसमें प्रेम है, प्रतिरोध है, और सबसे बढ़कर इंसानियत की परछाई है। यह आयोजन, उनके मुताबिक़, सिर्फ स्मरण नहीं बल्कि उर्दू के युवा सृजनकर्ताओं को एक नई ऊर्जा देने का प्रयास है। इस सिलसिले में जब हाफिज़ नमस्ते रफ़ीक़ मोहसिन ने रशीद इंदौरी का कलाम पढ़ा, तो लगा जैसे हर मिसरा उस कवि की आत्मा से संवाद कर रहा हो, जिसकी शायरी आज भी ज़ेहन में गूंजती है। इसके बाद 'रशीद इंदौरी – हयात, शख़्सियत और ख़िदमात' पर चर्चा ने माहौल को और गंभीर बना दिया। अज़ीज़ इरफ़ान ने इंदौरी की शख़्सियत को 'अध्ययन, अवलोकन और अनुभव का त्रिवेणी संगम' कहा, जबकि डॉ. वसीम इफ़्तिख़ार ने उन्हें 'इंदौर के अदबी इतिहास का ज़िंदा इनसाइक्लोपीडिया' बताते हुए कहा कि उन्होंने न केवल शायरी को बल्कि शहर की साहित्यिक संस्कृति को भी दिशा दी। इसके बाद जब तरही मुशायरे का आग़ाज़ हुआ, तो मंच जैसे एक नई पीढ़ी की आवाज़ों से रोशन हो उठा। युवा शायरों ने रशीद साहब के मिसरों पर अपनी ग़ज़लों का ताना-बाना बुना – कहीं जज्बात की नमी थी, कहीं हिज्र की तड़प, तो कहीं वस्ल की गर्मी। अशफ़ाक़ रशीद की आवाज़ में 'बरकतें ख़ुदा बख़्शे आप के निवालों में' जैसे अशआर सुनकर लगा कि इंदौर की फ़िज़ा फिर उसी पुरानी मिठास से भर गई है। और जब गुरमीत सिंह डंग ने अपनी गायकी से 'हम नशीनों से दूर कितना है' जैसी ग़ज़लों को स्वर दिया, तो सभागार में जैसे अदब की रूह उतर आई। निदा फ़ाज़ली और असगर गोंडवी के कलामों की गूंज में रशीद इंदौरी की मौजूदगी महसूस की जा सकती थी – एक ऐसी मौजूदगी जो शब्दों से परे, एहसास के स्तर पर जिंदा है। कार्यक्रम का समापन डॉ. नुसरत मेहदी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, परंतु श्रोताओं के दिलों में वह शाम देर तक ठहरी रही। यह आयोजन सिर्फ़ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उर्दू के अदबी सफ़र की एक नयी दस्तावेज़ था — जहाँ रशीद इंदौरी का नाम, उनकी ग़ज़लें और उनकी प्रेरणा, सब मिलकर यह यक़ीन दिला रहे थे कि शायरी अब भी ज़िंदा है, और इंदौर अब भी उसकी राजधानी है।

उदित की हत्या करने वाले आरक्षकों पर FIR, पेट पर डंडे मारने से फटा पैंक्रियाज़ : पुलिस टीम तलाश में जुटी

भोपाल। डीएसपी केतन अडलक के साले उदित गायकी की पिटाई कर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य के खिलाफ शनिवार तड़के हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर दर्ज होते ही दोनों आरोपी अंडरग्राउंड हो गए हैं। उनकी तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उदित की मौत आंतरिक चोट और पेट पर डंडे के प्रहार से पैंक्रियाज़ फटने के कारण हुई है। इससे शरीर के अंदर गंभीर रक्तस्त्राव हुआ, जिसकी वजह से उसकी जान नहीं बच सकी। एफआईआर दर्ज करने से पहले दोनों आरोपी आरक्षकों को निलंबित कर दिया गया था। पुलिस अब आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है।

अमृत संवाद के तहत डीआरएम ने यात्रियों से किया सीधा संवाद

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर 'अमृत संवाद' कार्यक्रम का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी की अध्यक्षता में किया गया। इस संवाद का उद्देश्य यात्रियों और रेलवे प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी और प्रभावी बनाना था। यह कार्यक्रम भारतीय रेल के स्वच्छता अभियान 5.0 के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता से संबंधित गीतों की प्रस्तुति से हुई, जिसे रेल कर्मचारियों ने पेश किया। इसके बाद डीआरएम ने यात्रियों से स्वच्छता, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यात्रियों से सीधे फीडबैक लिया और उनकी समस्याओं व सुझावों पर विस्तार से बातचीत की। यात्रियों ने रेलवे द्वारा स्वच्छता और यात्री सुविधा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और संतोष व्यक्त किया।

समापन नहीं, एक अल्पविराम - फिर लौटेगा रंगोत्सव नई ऊर्जा के साथ

रंग मोहल्ला सोसाइटी और सहयोगी संस्थाओं ने दी यादगार प्रस्तुतियां

भोपाल। तीन दिवसीय स्व. प्रदीप अहिरवार नाट्योत्सव शनिवार को कई खट्टी-मीठी यादें छोड़ते हुए संपन्न हुआ। समापन अवसर पर कलाकारों ने भावनाओं से ओत-प्रोत होकर कहा – 'यह अंत नहीं, एक अल्पविराम है। हम फिर लौटेंगे, नई ऊर्जा और नई सीख के साथ।' दर्शकों से मिले स्नेह और समर्थन को सभी ने अभूतपूर्व बताया। रंग मोहल्ला सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स समिति, भोपाल द्वारा आयोजित इस नाट्योत्सव की परिकल्पना संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की सांस्कृतिक एवं प्रस्तुति अनुदान योजना के तहत की गई थी। आयोजन समिति के अर्जुन अहिरवार ने बताया कि तीनों दिन रंगमंच की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा। पहले दिन, 9 अक्टूबर को, दिनेश भारती द्वारा लिखित और अदनान खान द्वारा निर्देशित हास्य नाटक 'द ग्रेट राजा मास्टर टेलर एंड ड्रामा कंपनी' का मंचन किया गया, जिसकी प्रस्तुति रंग मोहल्ला सोसाइटी के कलाकारों ने दी। दूसरे दिन, 10 अक्टूबर को, सुनील मिश्र के लेखन और आनंद मिश्र के निर्देशन में नाटक 'ऐसे रहो की धरती' का प्रदर्शन सघन सोसायटी फॉर कल्चर एंड वेलफेयर के कलाकारों ने किया। समारोह के अंतिम दिन, 11 अक्टूबर को, अब्दुल हक द्वारा लिखित एवं विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में नाटक 'संगी रहो संग छूट गव' का मंचन रामकृष्ण रिपरटायर कल्चर एंड सोशल सोसाइटी के कलाकारों ने किया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि समाज, संवेदना और मानवीय रिश्तों के गहरे अर्थों को भी उजागर किया।